RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 अंक-231 जयपुर, शुक्रवार, 20 फरवरी 2026 मूल्य-4 रूपये

भागवत जिस वंदे भारत से मेरठ पहुंचे, उस पर पथराव

मेरठ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत जिस वंदे भारत एक्सप्रेस से मेरठ पहुंचे, उस पर हरदोई में पथराव किया गया। पत्थरबाजी से ट्रेन की एक खिड़की का शीशा टूट गया।

घटना गुरुवार दोपहर करीब 3.20 बजे हुई, जब ट्रेन दिल्ली की ओर जा रही थी। संघ प्रमुख सुरक्षित हैं। ट्रेन पर पथराव किसने किया? इसकी जांच हरदोई GRP कर रही है। GRP दो कारण मान रही है। पहला- बच्चे ट्रैक के पास क्रिकेट खेल रहे थे, बॉल लगने से ऐसा हुआ। दूसरा- शरारती बच्चे ने ट्रेन पर पत्थर फेंके होंगे। मोहन भागवत रात 9 बजे मेरठ स्टेशन पर सिक्योरिटी के बीच उतरे। वह शताब्दीनगर के माधवकुंज में ठहरे हैं। यहां वे 20 और 21 फरवरी को दो दिवसीय संवाद कार्यक्रम में शामिल होंगे। 28 जिलों के प्रबुद्धजनों से बातचीत करेंगे। साथ ही खिलाड़ियों से उनके सामाजिक अनुभवों को लेकर बातचीत भी कर सकते हैं।

युवक की हत्या करने वाली महिला को उम्रकैद

कोटा। कोटा में कोर्ट ने एक महिला को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। महिला और उसके नाबालिग बेटे ने मिलकर एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। अदालत ने महिला पर 20,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया है। महिला का बेटा युवक की भाजी के साथ छेड़छाड़ करता था, और टोकने पर मां और बेटे ने मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया था। कोर्ट ने यह फैसला बुधवार को सुनाया था। यह मामला 24 नवंबर 2020 को उधोग थाने में दर्ज किया गया था। मृतक के भाई ने [illegible] में बताया था कि 24 नवंबर की शाम करीब 7:30 बजे उसका छोटा भाई नाई की दुकान पर खड़ा था। उसी समय, एक नाबालिग हाथ में चाकू लेकर आया और जान से मारने की नीयत से उसके भाई के सीने पर हमला कर दिया।

पीएम मोदी ने भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट का किया उद्घाटन, भगवान बुद्ध का संदेश दिया...

सही समझ से होता है सही कामः प्रधानमंत्री

भारत को एआई में भय नहीं, भाग्य व भविष्य दिखता हैं

बोले-डीपफेक रोकने के लिए एआई कंटेंट पर लेबल लगे

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के मुख्य सत्र संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने पूरी दुनिया से अपील की कि तकनीक के इस दौर में आ रहे बदलावों को मानवता के लिए एक बड़े अवसर में बदलें। पीएम मोदी ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की सफलता सही समझ और सही काम पर टिकी है। दिल्ली के भारत मंडपम में चल रहे 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' के चौथे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एआई के सुरक्षित इस्तेमाल का नया फॉर्मूला दिया।

पीएम ने कहा कि जैसे खाने के पैकेट पर 'न्यूट्रिशन लेबल' होता है, वैसे ही डिजिटल कंटेंट पर भी 'ऑथेंटिसिटी लेबल' होना चाहिए ताकि फर्क पता चल सके।

संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री ने एआई के भविष्य को लेकर भगवान बुद्ध की शिक्षाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'भारत बुद्ध की धरती है। भगवान बुद्ध ने सिखाया था कि सही काम हमेशा सही समझ से आता है।' उन्होंने जोर दिया कि एआई के लिए एक ऐसा रास्ता (रोडमैप) बनाना जरूरी है, जो सही इरादे और सही समय पर लिए गए फैसलों पर आधारित हो। तभी एआई का असली और सकारात्मक असर दिखेगा। पीएम ने स्पष्ट किया कि दुनिया के कई देशों में जहां एआई को लेकर भय का माहौल है, वहीं भारत इसे अपने 'भाग्य' और उज्ज्वल भविष्य के रूप में देख रहा है। भारत इसे अपनी विकास यात्रा का अगला बड़ा टर्निंग पॉइंट मानता है।

'ब्लैक बॉक्स' नहीं, 'ग्लास बॉक्स' अप्रोच की मांग

एआई प्लेटफॉर्म्स को 'ब्लैक बॉक्स' (जहां अंदर क्या चल रहा है किसी को पता न हो) के बजाय 'ग्लास बॉक्स' की तरह होना चाहिए। इसका मतलब है कि एआई के सेफ्टी रूल्स इतने साफ और पारदर्शी हों कि उन्हें कोई भी देख और वेरीफाई कर सके, जिससे कंपनियों की जवाबदेही तय हो सके। एआई की ट्रेनिंग के लिए इस्तेमाल होने वाले डेटा पर पीएम ने 'गार्बेज इन, गार्बेज आउट' का सिद्धांत समझाया। उन्होंने कहा कि अगर डेटा सुरक्षित और भरोसेमंद नहीं होगा, तो एआई का आउटपुट भी खतरनाक हो सकता है। इसलिए उन्होंने डेटा संप्रभुता का सम्मान करने और एक वैश्विक स्तर पर विश्वसनीय डेटा फ्रेमवर्क बनाने का सुझाव दिया।

साबित करेंगे कि एआई नौकरियां नहीं छीनताःअंबानी

रिलायंस चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा कि एआई नौकरियां छीनने के बजाय हाई-स्किल काम के नए मौके पैदा करेगा। उन्होंने एआई की तुलना महाभारत के 'अक्षय पात्र' से की। अंबानी ने एलान किया कि रिलायंस अगले 7 सालों में 10 लाख करोड़ का निवेश करेगी। अंबानी ने ये भी बताया कि जामनगर में मल्टी-गीगावाट एआई डेटा सेंटर का काम शुरू हो गया है। साल 2026 के दूसरे हिस्से तक 120 MW से ज्यादा की क्षमता शुरू हो जाएगी।

अरबों लोगों की जिंदगी बदलेगा एआईः सुंदर पिचाई

गूगल भारत में अपने 15 बिलियन डॉलर (1.35 लाख करोड़ रुपए) के इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश के हिस्से के रूप में एक 'फुल स्टैक एआई हब' स्थापित कर रहा है। इस हब में गीगावाट स्केल की कंप्यूटिंग और एक नया इंटरनेशनल सब-सी केबल गेटवे होगा। हर किसी के लिए उपयोगी एआई बनाने के लिए हमें साहसिक कदम उठाने होंगे, क्योंकि यह अरबों लोगों के जीवन को बेहतर बना सकता है और सबसे कठिन समस्याओं को हल कर सकता है।

देश का पहला 'नेक्स्ट जनरेशन' डेटा सेंटर बनाएगा टाटा ग्रुप

टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा कि टाटा ग्रुप अगली पीढ़ी की एआई ट्रेनिंग और इंफ्रेंस के लिए खास तौर पर तैयार भारत का पहला लार्ज-स्केल 'AI-ऑप्टिमाइज्ड' डेटा सेंटर बना रहा है। मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हमने इसकी पहली 100 मेगावाट क्षमता बनाने के लिए ओपन एआई के साथ साझेदारी की है, जिसे आगे चलकर एक गीगावाट तक बढ़ाया जाएगा।

भारत ने वो किया जो कोई नहीं कर सकाः मैक्रों

भारत ने वह कर दिखाया है जो दुनिया का कोई दूसरा देश नहीं कर सका। 1.4 अरब लोगों के लिए एक डिजिटल पहचान तैयार की। एक ऐसा पेमेंट सिस्टम बनाया जो अब हर महीने 20 अरब ट्रांजैक्शन प्रोसेस करता है। एक हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा किया जिसने 500 मिलियन डिजिटल हेल्थ आईडी जारी की हैं। नतीजे आपके सामने हैं। उन्होंने ये भी कहा कि AI, GPU और चिप्स अब सीधे तौर पर जियोपॉलिटिकल और मैक्रो-इकोनॉमिक शब्दों में बदल गए हैं। मुझे कहना होगा कि कभी यह बेहतरी के लिए होता है, तो कभी बुरे के लिए।

नकली-दूध को असली बताया, खाद्य-सुरक्षा अधिकारी एपीओ, 2 कॉन्स्टेबल सस्पेंड

सोड़ा-तेल से रोजाना बना रहे थे 80 हजार लीटर दूध

टोंक

टोंक जिले के डिग्गी कस्बे में नकली दूध बनाने की फैक्ट्री पकड़े जाने के मामले में खाद्य सुरक्षा अधिकारी और 2 कॉन्स्टेबल पर मंगलवार शाम को कार्रवाई हुई है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी मदन लाल गुर्जर को जयपुर मुख्यालय से APO किया गया है, जबकि डिग्गी थाने के दो पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया।

विभागीय सूत्रों के अनुसार यह कार्रवाई डिग्गी में पकड़ी गई नकली दूध फैक्ट्री से जुड़ी भूमिका और लापरवाही के आधार पर की गई है।

दरअसल, 2 जनवरी को डीएसटी और डिग्गी थाना पुलिस ने मिलावटी दूध बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया था। मौके से करीब 5500 लीटर मिलावटी दूध, 5 पिकअप और दूध का एक टैंकर सहित भारी मात्रा में केमिकल जब्त किया है।

पुलिस की जिला स्पेशल टीम ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी मदन लाल गुर्जर को भी मौके पर बुलाया गया था।

विभागीय जानकारी के अनुसार फूड सेफ्टी ऑफिसर मदन लाल गुर्जर ने फैक्ट्री पर डीएसटी की कार्रवाई से करीब 10-11 दिन पहले दूध के 3-4 सैंपल लिए थे। जांच प्रक्रिया के तहत हर महीने सैंपल लेकर लैब में परीक्षण कराया जाता है। बताया जा रहा है कि अंतिम सैंपल की रिपोर्ट में दूध को मानक के अनुरूप सही बताया गया था।

हालांकि स्थानीय स्तर पर यह आरोप भी सामने आए हैं कि पहले भी कई बार सैंपल लेने के बावजूद मिलावटी दूध को शुद्ध बताकर पास किया गया। इसी बीच जब डीएसटी ने छापेमारी की तो मौके से बड़ी मात्रा में नकली दूध, सोयाबीन ऑयल, वनस्पति घी, दूध पाउडर और केमिकल बरामद हुए। इससे सैंपल रिपोर्ट और जमीनी हकीकत पर सवाल खड़े हो गए।

कार्रवाई को उच्च अधिकारियों ने गंभीरता से लिया। बताया जाता है कि छापे की रात करीब 2 बजे डीएसटी टीम ने खाद्य सुरक्षा अधिकारी मदन लाल गुर्जर को मौके पर बुलाया और पूरी स्थिति से अवगत कराया।

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए 11 फरवरी को जयपुर मुख्यालय ने मदन लाल गुर्जर को [illegible] कर दिया। विभागीय आदेश में कारण 'प्रशासनिक' बताया गया है, लेकिन मिलावटी दूध को सही बताने के प्रकरण को ही इस कार्रवाई की मुख्य वजह माना जा रहा है।

पटना हाईकोर्ट ने स्पीकर समेत 42 विधायकों को भेजा नोटिस

चुनाव के दौरान नॉमिनेशन में गलत जानकारी देने का आरोप

पटना

बिहार विधानसभा के 42 विधायकों को पटना हाईकोर्ट ने नोटिस भेजा है। इनमें पक्ष और विपक्ष दोनों के विधायक शामिल हैं। आरोप है कि इन लोगों ने नामांकन के दौरान जो शपथ पत्र भरे थे, उनमें कई तथ्य छिपाए। इतना ही नहीं कुछ विधायकों पर वोटिंग प्रक्रिया में अनियमितता का भी आरोप लगाया गया है। कुछ माह पहले चुनाव हारने वालों प्रत्याशियों ने याचिका दायर की थी। आज कोर्ट में इस मामले में

सुनवाई हुई। इसके बाद कोर्ट ने इन 42 विधायकों से लिखित जवाब देने को कहा है।

चौंकाने वाली बात यह है कि लिस्ट में विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार का भी नाम है। इनके अलावा मंत्री विजेंद्र यादव, पूर्व मंत्री जीवेश मिश्रा, जदयू विधायक चेतन आनंद, राजद विधायक अमरेंद्र प्रसाद समेत 42 विधायक शामिल हैं। कोर्ट की ओर से कहा गया है कि नामांकन के दौरान दाखिल किया गया शपथपत्र लोकतांत्रिक व्यवस्था का अहम हिस्सा है। वोटर्स को प्रत्याशियों की पृष्ठभूमि, संपत्ति और अन्य विवरणों की सही जानकारी मिलना चाहिए। अगर यह जानकारी गलत दी गई तो यह गंभीर बात है। सभी विधायक तय समय के अंदर अपना जवाब दें।

जानकारी के अनुसार, संबंधित विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव हारने वाले प्रत्याशियों ने हाईकोर्ट में चुनाव याचिकाएं दायर की थीं। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि चुनाव प्रक्रिया में अनियमितता बरती गई और नामांकन के समय दाखिल किए गए शपथपत्र में तथ्यों को छुपाया गया या गलत जानकारी दी गई। इन्हीं आरोपों के आधार पर अदालत में याचिकाएं दाखिल की गईं।

आईजी ने दो ट्रेनी सब इंस्पेक्टर को बर्खास्त किया

कोटा

कोटा रेंज आईजी ने गुरुवार को दो ट्रेनी स्इ को बर्खास्त कर दिया। दोनों पर सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा 2021 में डमी अभ्यर्थी बैठाकर पास होने का आरोप है।

मामले का खुलासा राजस्थान पुलिस स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (SOG) की जांच में हुआ था। एसओजी ने 25 सितंबर 2025 को ट्रेनी एसआई शेर सिंह और मनोहर सिंह को कोटा से गिरफ्तार किया था, इसके बाद से दोनों जेल में बंद हैं। आईजी राजेंद्र प्रसाद गोयल ने बताया- शेर सिंह (29) निवासी गंगावा खेड़ा, जिला जालोर, मनोहर सिंह (26) निवासी नेलिया तलाब, ग्राम सेड़िया, जिला जालोर, दोनों ट्रेनी स्इ कोटा पुलिस लाइन में तैनात थे।

आईजी राजेंद्र प्रसाद गोयल ने कहा- शेर सिंह और मनोहर सिंह ने राजकीय पुलिस सेवा में अनुचित साधनों का प्रयोग कर आपराधिक मानसिकता से षड्यंत्र पूर्वक प्रवेश लिया। उनका यह कृत्य और अपराध पूरी तरह से पुलिस नियमों, आचरण और अनुशासन के खिलाफ है।

जल जीवन मिशन घोटाले में एफआईआर दर्ज कराने हाईकोर्ट पहुंचे पूर्व आईएएस अग्रवाल

जयपुर

जल जीवन मिशन घोटाले में अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द कराने के लिए पूर्व आईएएस सुबोध अग्रवाल ने हाईकोर्ट में आपराधिक याचिका दायर की है। याचिका पर हाईकोर्ट अगले सप्ताह सुनवाई करेगा। सुबोध अग्रवाल के अधिवक्ता दीपक चौहान ने बताया कि याचिकाकर्ता सुबोध अग्रवाल का पीएचईडी में 18 अप्रैल, 2022 से कार्यकाल आरंभ हुआ था। वहीं

इससे पूर्व में गणपति ट्यूबवेल और श्याम ट्यूबवेल की ओर से इरकॉन के फर्जी प्रमाण पत्र पेश कर पूर्व आईएएस अधिकारी के कार्यकाल में ही टेंडर प्राप्त कर लिए थे। याचिका में कहा गया कि आरोपी फर्म को दिए गए 95 फीसदी वर्क ऑर्डर तत्कालीन एसीएस सुधांश पंत की अध्यक्षता में बनी वित्त कमेटी ने स्वीकृत किए थे। केवल दस फीसदी से भी कम वेल्यू के टेंडर की स्वीकृति याचिकाकर्ता के कार्यकाल में दी गई थी। इसके बावजूद भी एसीबी ने इस संबंध में जांच नहीं की। इसके अलावा याचिकाकर्ता की अध्यक्षता में गठित वित्त कमेटी ने स्वीकृत किए गए टेंडर में एक भी पैसा दोनों फर्मो को नहीं दिया गया। जिससे सरकार को याचिकाकर्ता के कार्यकाल में कोई आर्थिक क्षति नहीं हुई। इरकॉन से ईमेल आते ही याचिकाकर्ता ने हाईलेवल कमेटी का गठन किया था। इस कमेटी की रिपोर्ट के बाद ही याचिकाकर्ता के कार्यकाल में दोनों फर्म का टेंडर निरस्त कर उन्हें ब्लैकलिस्ट किया गया और अधिकारी विशाल सक्सेना पर भी कानूनी कार्रवाई की गई। याचिका में यह भी कहा गया कि एसीबी की ओर से विशाल सक्सेना के बयानों का हवाला देते हुए याचिकाकर्ता के खिलाफ कार्रवाई की है।

पंजाब सीएम ऑफिस-चंडीगढ़ कोर्ट उड़ाने की धमकी

हरियाणा सचिवालय में भी अलर्ट

चंडीगढ़

चंडीगढ़ स्थित पंजाब सचिवालय और चंडीगढ़ कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। यह धमकी ईमेल के जरिए दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन तुरंत हरकत में आ गया और पूरे इलाके को खाली करा लिया गया। एहतियातन हरियाणा सचिवालय को भी अलर्ट पर रखा गया है। जानकारी के मुताबिक, धमकी भरा ईमेल संबंधित विभाग को मिला था, जिसमें सीएम ऑफिस में विस्फोट करने की बात कही गई है। इस ईमेल का स्क्रीनशॉट वायरल हुआ। हालांकि, इसकी पुलिस या प्रशासन के किसी अधिकारी ने पुष्टि नहीं की है। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस ने क्षेत्र की घेराबंदी कर दी और लोगों को सचिवालय से सुरक्षित बाहर निकाल दिया गया। पुलिस बल, [illegible], बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉयड की टीमें मौके पर पहुंचीं और पूरे इलाके की बारीकी से तलाशी ली। जांच पूरी हो चुकी है, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

मुफ्त की योजनाओं पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

रेवड़ी नहीं रोजगार के अवसर पैदा करेंः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु बिजली बोर्ड को कड़ी फटकार लगाई है। दरअसल, तमिलनाडु बिजली बोर्ड उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली देने का वादा कर रहा है। वहीं एक मुकदमे पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी की है। इस दौरान कोर्ट ने कहा कि राज्यों में अपनाई गई मुफ्त सुविधाओं की संस्कृति आर्थिक विकास में बाधा डालती है।

कोर्ट ने कहा कि गरीबों की मदद करना समझ में आता है, लेकिन बिना फर्क किए सबको मुफ्त सुविधा देना सही नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन

कॉर्पोरेशन लिमिटेड की याचिका पर सुनवाई करते हुए की। इसमें कंज्यूमर्स की फाइनेंशियल हालत की परवाह किए बिना सभी को फ्री बिजली देने का प्रस्ताव था।

सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि देश के ज्यादातर राज्य राजस्व घाटे में हैं और फिर भी वे विकास को नजरअंदाज करते हुए मुफ्त की घोषणाएं कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट की बेंच, जिसमें मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत समेत जजों ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा ज्यादातर राज्य पहले से ही घाटे में हैं, फिर भी विकास को छोड़कर मुफ्त सुविधाएं बांट रहे हैं। कोर्ट ने साफ कहा- जो लोग भुगतान नहीं कर सकते, उन्हें सहायता देना समझ में आता है। लेकिन अमीर-गरीब में फर्क किए बिना सबको मुफ्त देना गलत नीति है। इस दौरान कोर्ट ने चेतावनी दी और कहा अगर सुबह से शाम तक मुफ्त खाना, साइकिल और बिजली मिलती रही तो लोगों में काम करने की भावना कम हो जाएगी।

कोर्ट का राज्यों को दी सलाह और पूछा सवाल

वहीं कोर्ट ने राज्यों को सलाह दी कि मुफ्त चीजें बांटने के बजाय, रोजगार के अवसर पैदा करने पर ध्यान देना चाहिए। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने पूछा, भारत में हम कैसी संस्कृति बना रहे हैं? क्या यह वोट पाने की नीति नहीं बन जाएगी? फिलहाल, सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार और अन्य पक्षों को नोटिस जारी किया है। अब अगली सुनवाई में तय होगा कि ऐसे मुफ्त बिजली योजनाओं पर क्या नियम लागू होंगे।

आपको लोगों के लिए रोजगार के रास्ते बनाने चाहिए, ताकि वे कमा सकें और अपनी इज्जत और आत्म सम्मान बनाए रख सकें। जब उन्हें एक ही जगह से सबकुछ मुफ्त मिल जाएगा तो लोग काम क्यों करेंगे। क्या हम ऐसा ही देश बनाना चाहते हैं?

अचानक चुनाव के आस-पास स्कीम क्यों अनाउंस की जाती हैं? अब समय आ गया है कि सभी पॉलिटिकल पार्टियां, नेता फिर से सोचें। अगर हम इस तरह से उदारता दिखाते रहे तो हम देश के डेवलपमेंट में रुकावट डालेंगे। एक बैलेंस होना चाहिए।

गगनयान मिशन के ड्रोग पैराशूट का क्वालिफिकेशन टेस्ट सफल

ज्यादा लोड डालकर किया चेक; ये एस्ट्रोनॉट्स की धरती पर वापसी में जरूरी

चंडीगढ़

भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान के लिए ड्रोग पैराशूट का क्वालिफिकेशन लेवल लोड टेस्ट सफलतापूर्वक पूरा हुआ। क्वालिफिकेशन लेवल टेस्ट में अधिकतम उड़ान भार से ज्यादा लोड डालकर पैराशूट की मजबूती और सुरक्षा मार्जिन की जांच की गई। इस टेस्ट के बाद पक्का हुआ कि भारत मजबूत और बड़ी क्षमता वाले रिबन पैराशूट को डिजाइन और बनाने में पूरी तरह सक्षम है। साथ ही पैराशूट असली मिशन जैसी परिस्थितियों में भी सुरक्षित

और ठीक तरह से काम करेगा।

गगनयान मिशन में अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित पृथ्वी पर वापस लाने के लिए ड्रोग पैराशूट बहुत जरूरी है। जब कैप्सूल पृथ्वी के वातावरण में लौटता है, तो यही पैराशूट उसकी तेज गति को कम करने में मदद करता है।

यह टेस्ट बुधवार को चंडीगढ़ स्थित टर्मिनल बैलिस्टिक्स रिसर्च लेबोरेटरी की रेल ट्रैक रॉकेट स्लेड सुविधा में किया गया। यह डायनेमिक टेस्ट डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (DRDO) की स्पेशल हाई-स्पीड एयरोडायनेमिक और बैलिस्टिक मूल्यांकन सुविधा RTRS में पूरा हुआ। इसमें इंडियन स्पेस रिसर्च आर्गनाइजेशन (ISRO) के विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर (VSSC), DRDO की एरियल डिलीवरी रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट (ADRDE) और TBRL की टीमों ने भाग लिया।

देहरादून में जिला न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी

देहरादून (एजेंसी)। देहरादून में बुधवार को जिला न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। जिला जज के आधिकारिक ईमेल पर भेज धमकी भरे संदेश के बाद पुलिस और खुफिया एजेंसियां तुरंत सक्रिय हो गईं। एहतियात के तौर पर पूरे कोर्ट परिसर को खाली कराकर सुरक्षा घेरा बढ़ा दिया गया। सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भारी बल के साथ मौके पर पहुंचे। न्यायाधीशों, अधिवक्ताओं और वादकारियों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया। बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड ने परिसर के चप्पे-चप्पे की गहन तलाशी ली। सुरक्षा के मद्देनज़र कोर्ट परिसर के बाहर बैरिकेडिंग कर आवाजाही सीमित कर दी गई। प्रारंभिक जांच में ईमेल के स्रोत की पड़ताल की जा रही है। पुलिस को आशंका है कि यह किसी शरारती तत्व या संगठित साजिश का हिस्सा हो सकता है। हालांकि अब तक तलाशी अभियान में कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है, जिससे राहत की सांस ली गई है। गौरतलब है कि हाल के दिनों में हरिद्वार, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, टिहरी और नैनीताल की जिला अदालतों को भी इसी तरह की धमकियां मिल चुकी हैं। इन घटनाओं को देखते हुए पूरे प्रदेश में अलर्ट जारी कर दिया गया है। पुलिस सभी मामलों की कड़ियों को जोड़कर जांच कर रही है ताकि अफवाह फैलाने या भय का माहौल बनाने वालों की पहचान कर सख्त कार्रवाई की जा सके।

ईद के बाद सोरेन सरकार की घेराबंदी करेगा होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन

रांची (एजेंसी)। झारखंड में 77 मृत होमगार्ड जवानों के आश्रित अब भी अनुकंपा नियुक्ति के इंतजार में हैं। इसमें स्व. आनंदी मंडल, स्व. राम बाबू सिंह, स्व. बाबूजोन मरांडी, स्व. उमेश प्रसाद, स्व. परमानंद यादव और स्व. दीपक प्रताप सहित कुल 77 जवान शामिल हैं। अधिकांश जवानों की मृत्यु 10 से 15 वर्ष पूर्व ड्यूटी के दौरान हो चुकी है, लेकिन उनके परिवारों को अब तक नौकरी नहीं मिल सकी है। वर्ष 2014 में राज्य सरकार ने होमगार्ड जवानों के लिए नियमावली बनाई थी, जिसमें ड्यूटी के दौरान मृत जवानों के आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर नामांकन का प्रावधान था। इसके बावजूद कई मामलों में नियुक्ति नहीं हो सकी। इस संबंध में जवानों ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी, जिसमें राज्य गठन के बाद ड्यूटी के दौरान मृत सभी जवानों के आश्रितों को नियुक्ति देने का आदेश दिया गया। न्यायालय से सकारात्मक फैसला आने के बाद गृह विभाग ने संबंधित जवानों की सूची भी तैयार कर ली, लेकिन वर्षों से यह सूची विभागीय फाइलों में लंबित पड़ी है। झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष रवि मुखर्जी ने कहा कि बजट सत्र शुरू हो चुका है और सरकार को इस मुद्दे पर गंभीरता दिखानी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बजट सत्र में भी नियुक्ति प्रक्रिया शुरू नहीं की गई, तब ईद के बाद राज्यभर के होमगार्ड जवान राजभवन का घेराव करेगा।

यूपी बोर्ड की सख्त चेतावनी... पेपर लीक जैसी भ्रामक खबरों को फैलाने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपीएमएसपी) की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाएं 18 फरवरी से शुरू हो गई हैं। परीक्षा शुरू होने से ठीक पहले सोशल मीडिया पर पेपर लीक को लेकर उड़ रही अफवाहों पर यूपी बोर्ड ने बेहद सख्त रुख दिखाया है। यूपी बोर्ड ने साफ कर दिया है कि ऐसी खबरें पूरी तरह फर्जी हैं और इन भ्रम खबरों को फैलाने वालों को किसी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। बोर्ड ने आधिकारिक बयान देकर छात्रों और अभिभावकों को सचेत किया है। बोर्ड का कहना है कि कुछ असामाजिक तत्व सुनियोजित तरीके से परीक्षाओं की शुचिता बिगाड़ने और छात्रों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। बोर्ड ने अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ साइबर सेल में मामला दर्ज करा दिया है। परीक्षार्थी इन भ्रामक खबरों पर ध्यान न दें और पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी परीक्षा पर फोकस करें। यूपी परिक्षा बोर्ड ने बताया कि इस साल नकल रोकने और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए हाई-टेक इंतजाम किए गए हैं। सभी 8,033 केंद्रों पर वॉयस रिकॉर्डर वाले सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनकी वेबकास्टिंग के जरिए लखनऊ से लाइव निगरानी हो रही है। 18 जिलों को संवेदनशील घोषित किया है। 222 अति संवेदनशील और 683 संवेदनशील केंद्रों पर अतिरिक्त फोर्स तैनात है। 440 जिला स्तरीय और 69 मंडलीय मोबाइल स्क्वॉड नकलचियों को पकड़ने के लिए मुस्तैद हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पोस्ट के माध्यम से छात्रों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि परीक्षाएं केवल आपकी शैक्षणिक योग्यता का मूल्यांकन नहीं हैं, बल्कि यह आपके धैर्य, अनुशासन और आत्मविश्वास की भी परीक्षा है। उन्होंने छात्रों को बिना तनाव के परीक्षा देने का आशीर्वाद दिया।

राजस्थान में हल्की बारिश, दिल्ली में छाए रहे बादल वायु गुणवत्ता में आंशिक सुधार

-न्यूनतम तापमान 12 और अधिकतम 28 डिग्री सेल्सियस रहेगा

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर समेत राजस्थान में कई जगह बुधवार सुबह हल्की बारिश हुई। बारिश व बूंदाबांदी का दौर रात से ही शुरू हो गया था। उधर दिल्ली में बुधवार सुबह मौसम ने करवट ली और घने बादल आसमान में छा गए। कई इलाकों में हल्की बूंदाबांदी के साथ बारिश की फुहारें पड़ी। बदलते मौसम और तेज हवा के कारण वायु गुणवत्ता में भी आंशिक सुधार देखा गया। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक बुधवार को दिनभर सामान्यत: बादल छाए रहे और हल्की बारिश की संभावना बनी रही। बुधवार का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

सात दिनों के पूर्वानुमान के मुताबिक 19 फरवरी को न्यूनतम तापमान 12 और अधिकतम 28 डिग्री सेल्सियस रहेगा और मौसम मुख्यत: साफ रहने की संभावना है। 20 को भी पारा 12 से 28 डिग्री के बीच रहेगा। 21 को न्यूनतम 13 और अधिकतम 28 डिग्री 22 और 23 को तापमान में हल्की बढ़ोतरी के साथ अधिकतम 29 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान 13 डिग्री के आसपास रहेगा यानी बुधवार को हल्की गिरावट के बाद आने वाले दिनों में तापमान लगातार बढ़ता रहेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली के कई इलाकों में अभी भी हवा खराब श्रेणी में है। अलीपुर में एक्यूआई 255, आनंद विहार में 285, अशोक विहार में 264 दर्ज किया गया। आया नगर में 179 और सीआरआरआई मथुरा रोड पर 185 के साथ मध्यम श्रेणी रही। बवाना में एक्यूआई 307 के साथ बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किया गया, जबकि चांदनी चौक में 286 और डीटीयू में 249 दर्ज किया गया। गाजियाबाद के इंदिरापुरम में एक्यूआई 296, लोनी में 352, संजय नगर में 203 और वसुंधरा में 268 दर्ज किया गया।

भारतीय नौसेना के साथ समुद्री अभ्यास में भाग लेने विशाखापटनम पहुंचा रूसी युद्धपोत

विशाखापटनम (एजेंसी)। आंध्रप्रदेश के विशाखापटनम के बंदरगाह पर अचानक एक विशाल रूसी युद्धपोत मार्शल शापोष निकोब का आगमन हुआ है। यह कोई साधारण घटना नहीं है। यह अंतरराष्ट्रीय फ्लीट रिव्यू यानी आईएफआर 2026 और मिलन 2026 अभ्यास का हिस्सा है, जो भारत रूस की दशकों पुरानी समुद्री साझेदारी को दिखाता है। लेकिन आगमन को हम अचानक क्यों कह रहे हैं, क्योंकि वैश्विक तनाव के बीच जब दुनिया की महाशक्तियां एक दूसरे से भिड़कर दूर हो रही हैं तब भारत रूस की यह दोस्ती ना केवल मजबूत हो रही है बल्कि दुनिया पर भारी साबित हो रही है। एक आधुनिक उदालाय क्लास डिस्ट्रॉयर इस अब ब्रिगेड के रूप में वर्गीकृत किया गया है। 1985 में कमीशन किया गया। यह रूसी जहाज रूसी पेसिफिक प्लीट का हिस्सा है और इसका नाम सोवियत युग के सैन्य कमांडर बोरिस शापोश निकोब के नाम पर रखा गया है। इस जहाज की लंबाई 163 मीटर वजन 7900 टन तक है और यह 35 नॉट की रफ्तार से चल सकता है। इसमें कलिब्र एनके क्रूज मिसाइल, ओनिक्स, एंटीशिप मिसाइलें

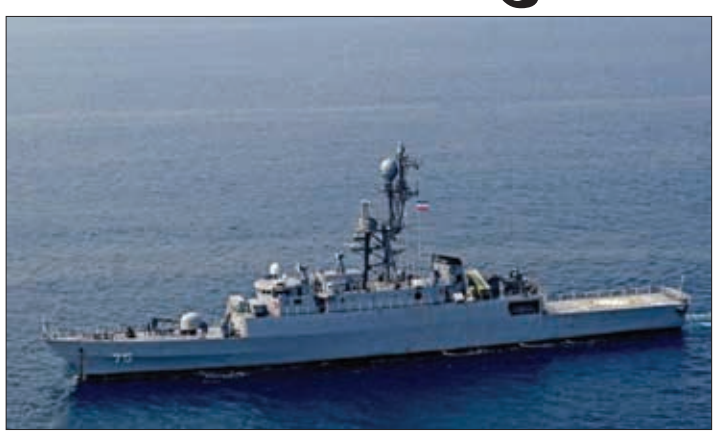

और संभावित रूप से जिरकॉन हाइपरसोनिक मिसाइलें लगी हैं। यह एंटी सबमरीन वॉरफेयर में माहिर है। जिसमें हेलीकॉप्टर, हैंगर और सोनार सिस्टम्स शामिल हैं। अब यह आगमन अचानक इसलिए लग रहा है, क्योंकि वैश्विक राजनीति में रूस यूक्रेन युद्ध के चलते रुस अलग-थलग दिख रहा है। हालांकि भारत रुस को कभी भी अलग-थलग नहीं होने दे रहा है। इसी कड़ी में भारत ने रुस को गले लगाया और भारतीय नौसेना के अनुसार जहाज आईएफआर 2026 और मिलन 2026 में भाग लेने आया है। जहां भारत की राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू 72 देशों के 60 से अधिक युद्धपधों की समीक्षा करेंगी। मिलन 21 से 25 फरवरी तक चलेगा जिसमें समुद्री अभ्यास, सेमिनार और सहयोग पर फोकस होगा। रूस का यह जहाज इस अभ्यास में प्रमुख भूमिका निभाएगा जो भारत रूस की समुद्री साझेदारी को मजबूत करेगा। यह घटना सिर्फ एक जहाज का आगमन नहीं है। यह एक संदेश है जब अमेरिका और उसके सहयोगी रूस पर प्रतिबंध लगा रहे हैं। भारत ने रूस से सस्ता तेल आयात बढ़ाया है और अब समुद्री सहयोग को नई ऊंचाई दे दी है। यह दोस्ती दुनिया पर भारी है क्योंकि यह इंडोपेसिफिक में संतुलन बनाती है। जहां चीन की बढ़ती ताकत को काउंटर करने के लिए रूस भारत का साथी है।

भारत रूस की दोस्ती की जड़े शीत युद्ध के दौर से मजबूत हैं। 1950 के दशक में सोवियत संघ ने भारत को सैन्य सहायता दी जब पश्चिमी देश पाकिस्तान को हथियार दे रहे थे। फिर 1960 से भारत ने रूसी जहाज और सबमरीन का इस्तेमाल शुरू कर दिया। आज भारतीय नौसेना के आधे से अधिक प्रमुख जहाज रूसी मूल के हैं। अब 1971 के भारतपाकि युद्ध में रूस की भूमिका यादगार है। जब अमेरिका ने अपना एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस एंटर प्राइज बंगाल की खाड़ी में भेजा।

फिर आई कूनो से अच्छी खबर... गामिनी ने दिया तीन शावकों को जन्म

-भारत में चीतों की संख्या 38 हुई, 7 फरवरी को भी हुआ था 5 शावकों का जन्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले के कूनो नेशनल पार्क में दक्षिण अफ्रीका से लाई गई मादा चीता गामिनी ने बुधवार को तीन शावकों को जन्म दिया। खास बात यह है कि यह खुशखबरी चीतों के भारत आने के तीन साल पूरे होने के दिन सामने आई है। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने अपने एक्स पर इसकी जानकारी दी। यादव ने इस उपलब्धि को भारत के ऐतिहासिक संरक्षण अभियान की बड़ी सफलता बताया है। बता दें भारत आने के बाद मादा चीता गामिनी दूसरी बार मां बनी है। इन नए शावकों के जन्म के साथ भारत में शावकों की संख्या 27 हो गई है जो अभी जिंदा हैं। इसके साथ ही अब देश में चीतों की कुल आबादी 38 हो गई। बता दें बीते 10 दिन में यह दूसरा प्रसव है, जिनमें 8 शावकों ने जन्म लिया है। इससे पहले 7 फरवरी को भी कूनो नेशनल पार्क में चीता परिवार में 5 शावकों का जन्म हुआ था। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि शावकों का जन्म प्रोजेक्ट चीता को मजबूती प्रदान कर रहा है। फील्ड स्टाफ और पशु चिकित्सकों की सतत निगरानी और समर्पण से यह सपना साकार हो रहा है। शावकों के जन्म को लेकर मध्य प्रदेश के सीएम डा मोहन यादव ने अपने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर एक वीडियो शेयर कर लिखा- चीतों के पुनर्स्थापन का सशक्त केंद्र मध्यप्रदेशज अत्यंत हर्ष का विषय है कि प्रोजेक्ट चीता के अंतर्गत दक्षिण अफ्रीका से आई मादा चीता 'गामिनी' ने तीन शावकों को जन्म दिया है। श्योपुर जिले में स्थित कूनो नेशनल पार्क में आए चीतों के तीन साल पूरे होने के साथ ही कूनो में यह 9वां सफल प्रसव है। भारत में चीतों की कुल संख्या बढ़कर अब 38 हो गई है। यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। कूनो नेशनल पार्क में चीतों की बढ़ती आबादी उनकी सतत निगरानी, वैज्ञानिक प्रबंधन और अथक परिश्रम के कारण यह संभव हो सकी है। कूनो में हो रहा यह सकारात्मक विकास भारत की जैव-विविधता संरक्षण यात्रा में मील का पत्थर साबित हो रहा है।

बंगाल में ममता बनर्जी तुगलक और औरंगजेब की तरह शासन चला रही हैं

-बीजेपी सांसद ने लगाया बंगाल को बांग्लादेश बनाने की साजिश का लगाया आरोप

पटना (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में हुमायूं कबीर द्वारा बनाई जा रही बाबरी मस्जिद पर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। बिहार में एनडीए के नेताओं ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि ममता बनर्जी भी कबीर का साथ दे रही हैं। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि बाबरी मस्जिद से जुड़े मुद्दों पर भी बंगाल सरकार की भूमिका पर सवाल उठते हैं और ममता को डबल गेम नहीं खेलने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी बांग्लादेशी मुसलमानों के सहारे सत्ता में बनी रहना चाहती हैं, लेकिन अब बंगाल के हिंदू जाग चुके हैं। जो लोग ममता बनर्जी को 'शेरनी' कहते हैं, वे उन्हें गलत बताते हैं और आरोप लगाते हैं कि वे राज्य को बांग्लादेश बनाने की दिशा में ले जा रही हैं। उन्होने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी तुगलक और औरंगजेब की तरह शासन चला रही हैं और हिंदुओं को दबाने का काम कर रही हैं। वहीं बीजेपी नेता सैयद शाहनवाज हुसैन ने भी पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन का दावा किया। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने बिहार, हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली में जीत दर्ज की है और अब बंगाल में भी पार्टी का झंडा लहराएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी चुनावों में बीजेपी को स्पष्ट बहुमत मिलेगा। इधर बिहार की राजनीति में भी बयानबाजी तेज है। बिहार सरकार में मंत्री राम कृपाल यादव ने राजद नेता तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले वे अपने कार्यकाल का हिसाब दें। उन्होंने दावा किया कि नीतीश सरकार सभी वर्गों के लिए काम कर रही है और राज्य के विकास के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। शराबबंदी के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि यदि कहीं कमी पाई जाती है तो सरकार कार्रवाई करेगी। वहीं बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बिहार की एनडीए सरकार से उनके कामकाज का हिसाब मांगा है, जिससे बिहार की राजनीति गर्मा गई है। वहीं मंत्री दिलीप जायसवाल ने दिल्ली में आयोजित एआई समिट को अहम बताते हुए कहा कि बिहार की सक्रिय भागीदारी रही है।

2027 में असपा अकेले लड़ेगी चुनाव, गठबंधन की खबरें फेक न्यूज और साजिश का हिस्सा

-बसपा सुप्रीमो मायावती ने राजनीतिक गलियारों में चल रही अटकलों पर लगाया विराम

लखनऊ(एजेंसी)। यूपी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर राजनीतिक गलियारों में चल रही गठबंधन की अटकलों पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती ने एक बार फिर पूर्ण विराम लगा दिया है। मायावती ने साफ किया कि गठबंधन को लेकर सोशल मीडिया और मीडिया के कुछ हिस्सों में चल रही खबरें पूरी तरह से फेक न्यूज और एक गहरी साजिश का हिस्सा हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आगाह किया कि बसपा को कमजोर करने और समर्थकों का ध्यान भटकाने के लिए विपक्षी दल और कुछ मीडिया घराने घिनौनी साजिशें रच रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बसपा प्रमुख ने साफ कहा कि उनकी पार्टी 2027 का मिशन अकेले अपने दम पर लड़ेगी और पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी। इसके साथ ही दिल्ली में नया बंगला लेने पर भी मायावती ने सफाई दी। मायावती ने गठबंधन की संभावनाओं को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि बसपा को यह अच्छी तरह पता है कि सपा, कांग्रेस और

बीजेपी की विचारधारा बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की सोच के बिल्कुल विपरीत है।

उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि इन दलों से गठबंधन करने से बसपा को कभी फायदा नहीं हुआ, बल्कि हमेशा बड़ा राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ा है। मायावती ने आरोप लगाया कि जब-जब बसपा ने गठबंधन किया, विपक्षी दलों ने बसपा का वोट तो ले लिया, लेकिन अपना वोट बसपा को ट्रांसफर कराने में नाकाम रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि हाथी की मस्त चाल चलते हुए 2027 के मिशन में डटे रहे।

सोशल मीडिया पर दिल्ली में केंद्र सरकार द्वारा नया बंगला आवंटित किए जाने को लेकर आ रही खबरों पर भी मायावती ने कड़ा ऐतराज जताया। उन्होंने कहा कि इसे लेकर गलत और गुमराह करने वाली बातें प्रसारित की जा रही हैं। उन्होंने साफ किया कि केंद्र सरकार ने उनकी सुरक्षा को देखते हुए ही काफी समय बाद टाइप-8 का बंगला अलाट किया है। इसे लेकर बसपा को नुकसान पहुंचाने वाली बातें फैलाई जा रही हैं। केंद्र की वर्तमान सरकार ने मेरी सुरक्षा के हिसाब से कई बंगले अलाट किए थे, लेकिन सुरक्षा कारणों से नहीं लिया था। लिया भी था तो छोड़ दिया था। अब टाइप-8 का बंगला अलाट किया है तो उसे मैंने स्वीकार कर लिया है। इसे लेकर गलत बातें प्रसारित की जा रही हैं। मायावती ने कहा कि जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आएगा, विरोधी पार्टियां साम-दाम-दंड-भेद के हथकंडे अपनाए जाएंगे और बसपा को सत्ता से दूर रखने के षड्यंत्र और भी बढ़ते जाएंगे। ऐसे में सभी आंबेडकरवादियों को सतर्क रहना चाहिए।

अरुणाचल और नागालैंड के जंगलों में आग बुझाने सेना-वायुसेना का युद्धस्तर पर काम जारी

-हेलीकॉप्टर लगातार गिरा रहे पानी, यह आग 13 फरवरी से फैली है जंगल में

गुवाहाटी (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड के जंगल में आग बुझाने का काम युद्धस्तर पर जारी है। भारतीय सेना और वायुसेना ऑपरेशन में जुटी है। हेलीकॉप्टर लगातार पानी गिरा रहे हैं, जबकि सतह पर टीमें खास उपकरणों से आग बुझाने का प्रयास कर रही हैं। अब तक अरुणाचल प्रदेश के वालोंग में आग पर काबू पाया जा चुका है। भारतीय वायुसेना ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि हेलीकॉप्टर दो मोर्चों पर जंगल की आग बुझाने के मिशन में लगे हैं और मुश्किल इलाकों में लगातार हवाई फायरफाइटिंग कर रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वायुसेना ने जानकारी दी है कि अरुणाचल प्रदेश के वालोंग में कुल 139,800 लीटर पानी गिराया गया है, जिससे आग बुझ गई है। साथ ही नागालैंड में जुकोऊ घाटी में ऑपरेशन जारी है, जिसमें हेलीकॉप्टर से पानी लाकर जफ्फू पीक के पास खड़ी ढलानों, खराब विजिबिलिटी और दुर्लभ हवा के बीच आग बुझा रहे हैं। भारतीय सेना के जवानों ने वायुसेना के साथ मिलकर अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले में करीब 3,000 से 3,500 फीट की ऊंचाई पर मौजूद दूर-दराज के इलाकों में लगी जंगल की आग पर काबू पाने की

कोशिश कर रहे हैं। मंगलवार को आर्मी ने वीडियो शेयर किए थे, जिनमें पहाड़ियों पर लगी आग बुझाने के लिए हेलीकॉप्टर पानी गिराते हुए दिख रहे थे, जबकि जमीनी टीमों की मदद के लिए आग बुझाने के दूसरे उपकरण भी लगाए गए थे। बताया जाता है कि यह आग 13 फरवरी को जंगल में फैली थी।

इससे पहले शनिवार को वायुसेना ने पोस्ट किया था कि हेलीकॉप्टर अरुणाचल प्रदेश की लोहित घाटी में 9,500 फीट से ऊपर लगातार आग बुझाने का मिशन चला रहे हैं। लोहित घाटी के ऊपर पहाड़ियों के किनारे हॉटस्पॉट पर 12,000 लीटर से ज्यादा पानी पहुंचाया गया। खराब मौसम और पतली हवा के बावजूद, हेलिकॉप्टर पानी गिराकर आग पर काबू पाने और नाजुक हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा करने का काम जारी रखे हुए हैं।

गुवाहाटी में एक रक्षा प्रवक्ता के मुताबिक सूखा मौसम और झूम खेती, जो पहाड़ी जनजातियों का पारंपरिक कटाई-जलाओ का तरीका है, नॉर्थईस्ट में जंगल में आग लगने की मुख्य वजहों में से हैं।

प्रवक्ता ने कहा कि पिछले पांच दिनों में हवाई जांच और पानी गिराने में मदद करने वाले हेलीकॉप्टरों के साथ मिलकर चौबीसों घंटे काम किया जा रहा है। ये ऑपरेशन बहुत मुश्किल इलाके और मौसम की हालत में किए जा रहे हैं ताकि आग पूरी तरह बुझ जाए।

केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू ने प्रियंका गांधी पर लगाया आरोप कहा- लिंचिंग की साजिश रची थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कांग्रेस महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए एक नए राजनीतिक विवाद को जन्म दे दिया है। बिट्टू ने घोषणा की है कि वह प्रियंका गांधी के खिलाफ एक औपचारिक शिकायत दर्ज करवाएंगे, जिसमें करीब पांच साल पहले किसान आंदोलन के दौरान हुई एक घटना की जांच की मांग की जाएगी। बिट्टू का आरोप है कि उस समय उन्हें जानबूझकर उग्र प्रदर्शनकारियों के बीच भेजा गया था, जहां उन पर जानलेवा हमला हुआ था।

एक साक्षात्कार के दौरान गंभीर आरोप लगाते हुए रवनीत बिट्टू ने कहा कि उस समय उन्हें प्रियंका गांधी की मंशा पर संदेह नहीं था, लेकिन अब उन्हें लगता है कि इसके पीछे कोई बड़ी साजिश थी। उन्होंने सवाल उठाया कि जब प्रियंका गांधी को अच्छी तरह पता था कि प्रदर्शनकारी किसान बिट्टू के खिलाफ आक्रोशित हैं, तो उन्हें वहां क्यों भेजा गया? बिट्टू ने आशंका जताई कि यह उन्हें नुकसान पहुंचाने का एक

पूर्व-नियोजित प्लान और डिजाइन था ताकि उस घटना को एक बड़ा राजनीतिक मोड़ दिया जा सके और भाजपा विरोधी भावनाओं को और भड़काया जा सके। उन्होंने उस दिन की घटना को याद करते हुए कहा कि वह और विधायक कुलबीर जीरा भीड़ द्वारा लगभग लिंच कर दिए गए होते।

इसके साथ ही बिट्टू ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा उन्हें गद्दार कहे जाने पर भी तीखा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की भाषा का प्रयोग करके राहुल गांधी ने अपने पद की गरिमा को गिराया है। उन्होंने तर्क दिया कि यदि दूसरी पार्टी में जाना गद्दारी है, तो कांग्रेस में शामिल उन तमाम नेताओं के बारे में राहुल गांधी की क्या राय है जो अन्य दलों से आए हैं?

दूसरी ओर, पंजाब कांग्रेस ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे राजनीतिक नौटंकी करार दिया है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि बिट्टू केवल अपने नए राजनीतिक आकाओं को खुश करने और सुर्खियां बटोरने के लिए इस तरह के बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। पंजाब के नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने तंज कसते हुए कहा कि सालों बाद बिट्टू की याददाश्त अचानक तब वापस आई है, जब उन्हें अपनी वफादारी साबित करने की जरूरत महसूस हो रही है। वहीं, पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि यह कहना हास्यास्पद है कि उन्हें जबरदस्ती विरोध स्थल पर भेजा गया था। कांग्रेस के अनुसार, बिट्टू केवल अपनी नई पार्टी में अपनी जगह पक्की करने के लिए प्रियंका गांधी के खिलाफ इस तरह की बयानबाजी कर रहे हैं। इस जुबानी जंग ने पंजाब और राष्ट्रीय राजनीति में गरमाहट पैदा कर दी है।

अजित पवार विमान हादसा: डीएफडीआर डेटा डाउनलोड, सीवीआर रिकवरी के लिए कंपनी से मांगी मदद

-एएआईबी की तकनीकी जांच जारी; सीबीआई जांच की मांग तेज

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के विमान हादसे की जांच अब निर्णायक चरण में पहुंचती दिख रही है। जांच की जिम्मेदारी एयरक्रॉफ्ट एक्सिडेंट इनवेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) को सौंपी गई है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार, क्रैश के दौरान विमान का ब्लैक बॉक्स तेज गर्मी और आग की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हुआ था, हालांकि उसके एक हिस्से का डेटा सफलतापूर्वक हासिल कर लिया गया है।

मंत्रालय ने बताया कि विमान में लगे दो स्वतंत्र फ्लाइट रिकॉर्डर, डिजिटल फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (डीएफडीआर) और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (सीवीआर) में से डीएफडीआर का डेटा एएआईबी की फ्लाइट रिकॉर्डर लैब में डाउनलोड कर लिया गया है। यह रिकॉर्डर अमेरिकी कंपनी एल3 क्यूनिकेशंस द्वारा निर्मित है। वहीं, सीवीआर, जिसे हनीवेल ने बनाया है, उसकी विस्तृत तकनीकी जांच जारी है। सीवीआर का डेटा रिकवर करने के लिए संबंधित कंपनी से तकनीकी सहयोग मांगा गया है।

राजनीतिक बयानवाजी हुई तेज

ब्लैक बॉक्स के जलने के दावों पर राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। एनसीपी (शरद गुट) के विधायक और पवार के भतीजे रोहित पवार ने कहा कि ब्लैक बॉक्स भीषण आग और धमाकों से सुरक्षित रह सकता है, लेकिन महाराष्ट्र की राजनीति से नहीं। विशेषज्ञों का कहना है कि ब्लैक बॉक्स 1100 डिग्री सेल्सियस तापमान को एक घंटे तक और 260 डिग्री तापमान को लगभग 10 घंटे तक सहन कर सकता है। ऐसे में उसके पूरी तरह जलने की संभावना कम बताई जा रही है।

28 जनवरी को हुआ था हादसा

पुणे जिले के बारामती में 28 जनवरी की सुबह वीएसआर वेंचर्स कंपनी का लेयरजेट 45 विमान क्रैश हो गया था। इस हादसे में अजित पवार समेत कुल पांच लोगों की मौत हुई थी। विमान सुबह 8:10 बजे मुंबई से रवाना हुआ था और करीब 8:45 बजे बारामती के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे के दूसरे दिन ब्लैक बॉक्स बरामद किया गया था।

सीबीआई जांच की मांग

अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार ने अन्य एनसीपी नेताओं के साथ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर हादसे की सीबीआई जांच की मांग की है। इस प्रतिनिधिमंडल में सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल भी शामिल थे। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में केंद्र सरकार से चर्चा का आश्वासन दिया है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के अनुसार, जांच विमान दुर्घटना जांच नियम, 2017 और

आईसीएओ एनेक्स-13 के अंतरराष्ट्रीय मानकों के तहत की जा रही है। एएआईबी ने अपील की है कि जांच पूरी होने तक अटकलों से बचा जाए। ब्यूरो ने भरोसा दिलाया है कि निष्कर्ष पूरी तरह तकनीकी साक्ष्यों पर आधारित होंगे।

आमजन ने प्रशासन की कार्यवाही को सराहा तो व्यापारियों में रोष

सर्राफा बाजार, धानमंडी के बाजार भी चोड़े करने की उठी मांग, सेवा सदन रोड भी अतिक्रमण की जद में, फूटपाथ पर अवैध कब्जा

स्मार्ट हलचल | राजेश जीनगर

भीलवाड़ा। नगर निगम बोर्ड के महापौर व पार्षदों का कार्यकाल खत्म होने के साथ ही नगर निगम का पीला पंजा लगातार बाजार में गरज रहा है और बाजार में फुटपाथ तक अवैध कब्जे को हटाने का काम जारी है। इस कार्यवाही को लेकर व्यापारी जगत में रोष है तो वहीं आमजन ने प्रशासन की इस कार्यवाही को सराहा है और कहा है की सबसे व्यस्ततम क्षेत्र आजाद चौक की सुध लेने के बाद नगर निगम व जिला प्रशासन को सर्राफा बाजार, धानमंडी व बड़े मंदिर के आसपास में भी सर्वे करवाकर सुगम यातायात की पहल करनी चाहिए। यहां भी दिन के समय में दुपहिया वाहन भी बामुश्किल से निकल पाता है और हालात दयनीय स्थिति में है। इसी के तरह के हालात सेवा सदन मार्ग के है, यहां बने कॉम्प्लेक्स व दुकानों के बाहर जरूरत से ज्यादा फूटपाथ तक कब्जा होने की बात सामने आई है। वहीं पिछले कुछ समय से जारी नगर निगम व नगर विकास न्यास द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही को लेकर सुगबुगाहट है की नगर निकाय चुनाव सिर पर है और ऐसे में इस तरह की कार्यवाही समझ से परे है तो वहीं चुनावी मैदान में उतरने वाले भावी पार्षदों के सामने व्यापारी जगत का ये बड़ा सवाल रहेगा की जब शहर उधेड़ा जा रहा था, उस समय कहां थे ??

नगर निगम की लगातार कार्रवाई में गुरुवार को माणिक्य नगर चौराहे से श्री गेस्ट हाउस चौराहे तक अतिक्रमण हटाए गए और नालियों के उपर बनी सिढ़ीयो को तोडा गया। जबकी कई दुकानों के टीनशैड उतारे गए और पीला पंजा जमकर गरजा।

निगम और न्यास इन पर मेहरबां क्यों ????

कन्ट्रोल रूम स्थित नगर निगम क्षेत्र में आने अयोध्या इंटरप्राइजेज के फुटपाथ पर और नगर विकास न्यास के क्षेत्राधिकार में आने वाले अहिंसा सर्किल के अतिक्रमण पर जिम्मेदार मेहरबां क्यों है, ये बड़ा सवाल है ??

अहिंसा सर्किल पर सब्जी विक्रेताओं, चाय थडियों, केबिनों व अव्यवस्थित खड़े ऑटो, ट्रेक्टर पिछले कई समय से राह में रोड़ा बने हुए हैं। जिसके चलते दुपहिया व चौपहिया वाहनों का निकलना दुभर हो चला है। लेकिन, नगर विकास न्यास और नगर निगम के पीले पंजे की गरजना इधर क्यों नहीं है, ये विचारणीय है।

खबर का असर

3 दिन पूर्व टूटे नाले का कराया निर्माण, कॉलोनी वासियों ने पालिका प्रशासन का जताया आभार

स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ। कस्बे मे इंदिरा कॉलोनी के कांग्रेस कार्यालय के समीप सबसे पुराने जावदा, थडोदा और छोटी के साथ ही क्षेत्र के सबसे बड़े राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय को जोड़ने वाली सड़क पर भारी लोडिंग वाहनों के चलते मार्ग पर बना नाला 3 दिन पूर्व क्षतिग्रस्त होकर टूट गया जिसकी खबर स्मार्ट हलचल में तीन दिन पूर्व प्रकाशित हुई जिस पर नगर पालिका प्रशासन ने खबर एवं कॉलोनी वासियों की मांग को ध्यान में रखते हुए 3 दिन के अंदर नाले का पुनर्निर्माण करा कर सही करवाया गया, जिस पर कॉलोनी वासियो ने नगर पालिका प्रशासन का आभार जताया। वही नगर पालिका अधिशासी अधिकारी पंकज कुमार मंगल का कहना है कि कस्बे के आम जन जितने अलर्ट रहेंगे और किसी कार्य को लेकर पालिका को सूचित करेंगे तो संबंधित कार्य को संज्ञान में लेकर पालिका प्रशासन द्वारा सूचित संबंधित कार्य करवाया जाएगा, बस कस्बे को लेकर आमजन को अलर्ट रहना होगा।

अपहरण व दुष्कर्म प्रकरण में अभियुक्त को 10 वर्ष कठोर कारावास व जुर्माना

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। विशिष्ट न्यायाधीश, पोक्सो-01, भीलवाड़ा बालकृष्ण मिश्र द्वारा पारित निर्णय में नाबालिग पीड़िता के अपहरण एवं दुष्कर्म के प्रकरण में अभियुक्त को दोषसिद्ध कर दंडित किया गया।

प्रकरणानुसार दिनांक 25.11.2024 को पुलिस थाना प्रतापनगर, भीलवाड़ा में परिवादिनी द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत की गई कि उसकी नाबालिग पुत्री विद्यालय से अवकाश उपरांत घर नहीं लौटी। अनुसंधान के दौरान सीसीटीवी फुटेज एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्त सन्नी हरिजन निवासी अंबेडकर बस्ती, कोतवाली भीलवाड़ा के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध किया गया।

अनुसंधान पूर्ण होने पर अभियोजन पक्ष द्वारा अभियुक्त के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की प्रासंगिक धाराओं तथा पोक्सो अधिनियम के अंतर्गत आरोप-पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। विचारण के दौरान विशिष्ट लोक अभियोजक धर्मवीर सिंह कानावत द्वारा 18 साक्षियों एवं 33 दस्तावेजी साक्ष्यों को प्रदर्शित कर अभियोजन कथन सिद्ध किया गया।

उपस्थित साक्ष्यों एवं अभिलेखों के सम्यक परीक्षण उपरांत न्यायालय ने अभियुक्त सन्नी हरिजन(20 साल) पुत्र पप्पू हरिजन को नाबालिग के अपहरण, दुष्कर्म एवं पोक्सो अधिनियम के अपराध में दोषी ठहराते हुए 10 वर्ष के कठोर कारावास एवं 50,000 रुपए अर्थदंड से दंडित किया। अर्थदंड अदा न करने की दशा में अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

आसींद नगरपालिका का पीला पंजा चला, भारी विरोध के बीच हटाया गया अतिक्रमण

स्मार्ट हलचल | आसींद

शहर में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने और सड़कों को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए नगरपालिका प्रशासन ने गुरुवार को बड़े स्तर पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। उपखंड प्रशासन और पुलिस जाप्ते की मौजूदगी में पुराने बस स्टैंड से लेकर पीडब्ल्यूडी चौराहा और नेगडिया क्षेत्र में सड़कों के किनारे किए गए अवैध कब्जों को हटाया गया।

प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में कार्रवाई

कार्रवाई के दौरान मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई, जिसे नियंत्रित करने के लिए पुलिस बल तैनात रहा। इस दौरान मुख्य रूप से निम्नलिखित अधिकारी उपस्थित रहे,परमजीत सिंह, उपखंड अधिकारी विकास कुमावत, अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका प्रवीण कुमार, एईएन अन्य आला प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी

पुराने बस स्टैंड से पीडब्ल्यूडी चौराहा तक अभियान

अभियान की शुरुआत पुराने बस स्टैंड से की गई, जहाँ दुकानदारों द्वारा सड़क पर बढ़ाए गए टीन-शेड और सामान को जब्त किया गया। इसके बाद दस्ता पीडब्ल्यूडी चौराहा और नेगडिया रोड पहुँचा। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि मुख्य मार्गों पर अतिक्रमण के कारण आए दिन जाम की स्थिति बनी रहती है, जिससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

व्यापारियों में दिखा रोष

कार्रवाई के दौरान कई जगह व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन भी किया।

अधिकारियों ने लोगों को समझाते हुए सख्त लहजे में कहा कि भविष्य में यदि दोबारा अतिक्रमण पाया गया, तो भारी जुर्माना लगाया जाएगा और कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आसीन्द में पुलिस थानों व चौकियों में रिक्त पदों को शीघ्र भरेंगे - गृह राज्य मंत्री

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

गृह राज्य मंत्री श्री जवाहर सिंह बेढ़म ने गुरुवार को विधानसभा में आश्वस्त किया कि आसीन्द विधानसभा क्षेत्र में पुलिस कॉन्स्टेबल से लेकर सहायक उपनिरीक्षक, उपनिरीक्षक तथा वृत निरीक्षक के रिक्त पदों को जल्द ही भरा जाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा 10 हजार पुलिस कॉन्स्टेबल पदों पर भर्ती के विरुद्ध 8 हजार 557 पदों पर नियुक्ति दे दी गई है। शेष पदों पर भी दस्तावेज सत्यापन सहित सम्पूर्ण चयन प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही नियुक्ति दी जा रही है।

श्री बेढ़म प्रश्नकाल के दौरान विधायक श्री जब्बर सिंह सांखला द्वारा पूछे गए पूरक प्रश्नों का गृह मंत्री की ओर से जवाब दे रहे थे। इससे पहले सदस्य द्वारा पूछे गये मूल प्रश्न के लिखित जवाब में गृह राज्य मंत्री ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र आसीन्द में पुलिस उप अधीक्षक कार्यालय, पुलिस थानों व चौकियों में उपनिरीक्षक के 06 पद, सहायक उप निरीक्षक के 08 पद, हैड कॉन्स्टेबल के 18 पद एवं कॉन्स्टेबल के 15 पद रिक्त हैंढ़ु उन्होंने बताया कि समय-समय पर सीधी भर्ती एवं पदोन्नति परीक्षाओं का आयोजन किया जाकर रिक्त पदों को भरा जा रहा है।

रतनपुरा में सड़कें बदहाल, 10 दिन में टूटकर बिखरी, गुणवत्ता पर उठे सवाल

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

जिले की तहसील जहाजपुर अंतर्गत गांव रतनपुरा, पंचायत मनोहरपुरा एवं नवगठित पंचायत हंसेड़ा क्षेत्र में सड़कों की हालत बेहद खराब हो गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि यहां हाल ही में बनाई गई सड़कें मात्र 10 दिन में ही टूटकर बिखर गईं, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों के अनुसार सड़क निर्माण में घटिया सामग्री और लापरवाही के चलते सड़क जगह-जगह से उखड़ गई है। इससे गांव के लोगों को रोजाना आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क की खराब स्थिति के कारण स्कूल जाने वाले बच्चों, मरीजों, बुजुर्गों और किसानों को सबसे ज्यादा दिक्कत हो रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के मौसम में हालात और भी बदतर हो जाते हैं, क्योंकि सड़क पर बने गड्ढों में पानी भर जाता है और दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। लोगों का आरोप है कि वर्षों से यही स्थिति बनी हुई है, लेकिन जिम्मेदार जनप्रतिनिधि और अधिकारी कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे।

ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने कई बार संबंधित विभाग और प्रशासन को समस्या से अवगत कराया, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई। लोगों का कहना है कि विकास कार्यों के नाम पर केवल कागजी खानापूर्ति की जा रही है, जबकि जमीनी स्तर पर स्थिति बेहद खराब है। अब ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि सड़क निर्माण की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषी ठेकेदार/जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए। साथ ही क्षेत्र में मजबूत और टिकाऊ सड़क निर्माण कराया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी लापरवाही दोबारा न हो।

राजस्थान विधानसभा में हंगामा

चिकित्सा मंत्री और जूली के बीच आमेर-अचरोल पर तीखी नोकझोंक

स्मार्ट हलचल | जयपुर

राजस्थान विधानसभा के प्रश्नकाल में चिकित्सा सुविधाओं को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जोरदार टकराव देखने को मिला। आमेर विधायक प्रशांत शर्मा के सवाल पर चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली आमेर-अचरोल के स्वास्थ्य मुद्दों पर उलझ पड़े।बहस का केंद्रआमेर विधायक ने अपने क्षेत्र के अस्पतालों की बदहाली और अचरोल सैटेलाइट अस्पताल की जमीन स्थानांतरण पर सवाल उठाया। मंत्री खींवसर ने जवाब दिया कि हेरिटेज बिल्डिंग में चल रहे अस्पताल को ध्वस्त को पत्र लिखकर शिफ्ट किया जा रहा है। लेकिन जूली ने तंज कसते हुए कहा कि मंत्री को 'आमेर' और 'अचरोल' का फर्क ही समझ नहीं आ रहा, जिससे बार-बार टोकना पड़ता है।वॉकआउट और नारेबाजीमंत्री के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने नारेबाजी शुरू कर दी। टीकाराम जूली के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों ने सदन से वॉकआउट कर दिया। स्पीकर को सदन संभालने में खासी मशक्कत करनी पड़ी।यह घटना विधानसभा सत्र के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं पर बढ़ते विवाद को उजागर करती है।

जागधरी में युवक की संदिग्ध मौत का मामला, मुआवजे व कार्रवाई की मांग को लेकर लगातार दूसरे दिन भी मोर्चरी पर प्रदर्शन

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। जिले के कारोई थाना क्षेत्र के जागधरी में एक युवक की सन्दिग्ध परिस्थितियों में मौत मामले में लगातार दूसरे दिन भी परिजनों का विरोध प्रदर्शन जारी रहा हैं। मृतक के परिजनों ने जिला अस्पताल की मोर्चरी पर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने हत्या का आरोप लगाते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने और मृतक के परिजनो को मुआवजा दिलवाने की मांग की है। वहीं उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगे पूरी नहीं हुई तो समाज द्वारा कलेक्ट्रेट के सामने धरना प्रदर्शन किया जायेगा।

समाज सेवी मोती लाल ने कहा कि कारोई थाना क्षेत्र के जागधरी निवासी संजय बारेठ (31) पुत्र भंवर बारेठ महाराष्ट्र के जलगांव में मजदूरी करता था। परिजनों ने बताया कि संजय के साथ काम करने वाले युवक ने सूचना दी कि मंगलवार को दोनों बस से गांव लौट रहे थे। रास्ते में अचानक संजय की तबीयत खराब हुई और उसकी मौत हो गई।

बुधवार को जब शव गांव पहुंचा तो परिजन अंतिम संस्कार की तैयारी में श्मशान घाट ले गए। इस दौरान समाज के कुछ बुजुर्गों ने संजय के चेहरे और शरीर पर चोट के निशान देखे, जिसके बाद मौत पर संदेह गहरा गया। मारपीट से मौत की आशंका जताते हुए परिजनों ने दाह संस्कार रोक दिया,सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल की मोर्चरी भिजवाया।

परिजनों को शंका है कि संजय की पीट कर हत्या की गई है। इसलिए हम चाहते हैं कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए और मृतक के परिवार को उचित मुआवजा देना चाहिए। हम बुधवार से मोर्चरी पर प्रदर्शन कर रहे है मगर प्रशासन और पुलिस हमारी नहीं सुन रही है। वही आज गुरुवार को सुबह जब हम प्रदर्शन कर रहे थे तो पुलिस द्वारा हम पर प्रदर्शन खत्म करने का दबाव बनाया गया।

मेडिकल बोर्ड से हुआ पोस्टमार्टम

गुरुवार दोपहर को पुलिस और परिजनों के बीच मांगों को लेकर सहमति बनी। पुलिस ने परिजनों की दो मुख्य मांगे -मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम और हत्या का मामला दर्ज करना - मान लीं। इसके बाद ही परिजन शव का पोस्टमार्टम कराने को तैयार हुए।

गोपाल लुहार के खिलाफ हत्या का आरोप

मृतक के भाई मुकेश ने पुलिस को दी रिपोर्ट में गोपाल लुहार नामक व्यक्ति पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मुकेश का कहना है कि गोपाल ने ही संजय को गंभीर चोटें पहुंचाकर उसकी हत्या की है। चूंकि मामला महाराष्ट्र के जलगांव से जुड़ा है, इसलिए कारोई पुलिस ने जीरो नंबरी एफआईआर दर्ज कर मामला जलगांव पुलिस को स्थानांतरित कर दिया है।

खबर का असर: 9 दिन की नींद टूटी, लगी प्रशासक की नाम पट्टिका

सुस्ती पर सवालों के बीच हरकत में आया भीलवाड़ा नगर निगम प्रशासन

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

नगर निगम में 9 दिन तक प्रशासक की नाम पट्टिका नहीं लगने का मामला उजागर होते ही प्रशासन की नींद टूट गई। खबर सामने आने के बाद प्रशासक जसमीत सिंह सन्धु के नाम की पट्टिका आनन-फानन में लगा दी गई। एक साधारण प्रशासनिक कार्य में 9 दिन की देरी ने निगम की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए थे। अब पट्टिका लगने से यह साफ है कि सवालों का असर हुआ, लेकिन सुस्ती पर उठे प्रश्न अभी भी कायम हैं।

निगम प्रशासन की सुस्ती पर खबर का असर

9 दिन बाद लगी प्रशासक जसमीत सिंह सन्धु की नाम पट्टिका, पारदर्शिता पर उठे सवालों के बीच हरकत में आया निगम

भीलवाड़ा। शहर की सरकार कही जाने वाली भीलवाड़ा नगर निगम में

प्रशासक की नाम पट्टिका को लेकर उठे सवालों का आखिरकार असर दिखाई दिया। खबर प्रकाशित होने के बाद निगम प्रशासन हरकत में आया और प्रशासक जसमीत सिंह सन्धु के नाम की पट्टिका मुख्य द्वार एवं कार्यालय कक्ष के बाहर लगा दी गई।

गौरतलब है कि महापौर पद से हटाए जाने के बाद निगम में प्रशासक की नियुक्ति तो कर दी गई थी, लेकिन 9 दिन तक नाम पट्टिका नहीं लगने से प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे थे। आमजन में यह चर्चा थी कि जब एक साधारण नाम पट्टी लगाने में इतनी देरी हो रही है, तो शहर के विकास कार्यों की गति का अंदाजा सहज लगाया जा सकता है। खबर के प्रकाशन के बाद निगम प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए प्रशासक जसमीत सिंह सन्धु की नाम पट्टिका लगवा दी। निगम कार्यालय आने वाले नागरिकों को अब यह स्पष्ट हो गया है कि वर्तमान में जिम्मेदारी किसके पास है।

हालांकि यह मामला भले ही छोटा प्रतीत हो, लेकिन प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही की दृष्टि से इसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है। शहर में पहले से ही सफाई, सड़कों की मरम्मत और प्रकाश व्यवस्था जैसे मुद्दों को लेकर शिकायतें सामने आती रही हैं। ऐसे में नाम पट्टिका का समय पर नहीं लगना भी व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न खड़ा कर रहा था। अब उम्मीद की जा रही है कि निगम प्रशासन केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर भी तेजी दिखाएगा और शहरवासियों को बेहतर व पारदर्शी व्यवस्था प्रदान करेगा।

ओलावृष्टि से प्रभावित बीमित फसल के कृषकों को आपदा के 72 घंटे के अन्दर पर दर्ज करानी होगी शिकायत

कृषि रक्षक पोर्टल या हेल्पलाइन 14447 पर दर्ज करा सकते है शिकायत

स्मार्ट हलचल | भीलवाडा

जिले में विगत दिनों हुई ओलावृष्टि से प्रभावित बीमित फसलें जो वर्तमान में काटकर खेत में सूखाने के लिए रखी हुई है एवं खराब हुई है तो प्रधानमंत्री फसल बीमा का लाभ उठाने हेतु फसल खराबें से 72 घण्टे के भीतर कृषि रक्षक पोर्टल एवं हेल्प लाईन नम्बर 14447 पर शिकायत दर्ज करा सकते है।

कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक विनोद कुमार जैन ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की परिचालन मार्गदर्शिका, 2023 के एवं विभागीय अधिसूचना के अनुरूप फसल कटाई उपरांत अधिकतम 14 दिन की अवधि में सूखने के लिये खेत में काटकर फैलाकर छोडी गई फसल को चक्रवात, चक्रवाती वर्षा, असामयिक वर्षा तथा ओलावृष्टि से

व्यक्तिगत आधार पर हुये नुकसान के लिये फसल बीमा क्लेम आवरण उपलब्ध जिससे योजनान्तर्गत बीमित पीड़ित कृषकों को योजना का अधिकतम लाभ मिल सकें।

संयुक्त निदेशक जैन ने बताया कि प्रभावित बीमित फसल के कृषक को आपदा के 72 घंटे के अन्दर सीधे भारत सरकार द्वारा संचालित कृषि रक्षक पोर्टल एवं हेल्पलाइन 14447 पर अथवा चेटबाट न 7065514447 पर अथवा क्रॉप इंश्योरेंस एप्प अथवा लिखित में अपने बैंक, कृषि विभाग के अधिकारियों के माध्यम से सूचित करना आवश्यक है।

फसल कटाई उपरान्त के जोखिमों के अंतर्गत फसलों की क्षति के आकलन हेतु बीमा कम्पनी को आपदा की सूचना प्राप्त होने के 48 घंटे के अन्दर सुनिश्चित परिचालन मार्गदर्शिका 2023 (खरीफ 2023 से लागू) के बिन्दु संख्या 21.6.8.1 के अनुसार होगा। सर्वेयर द्वारा क्षति का आकलन 10 दिन के अन्दर पूर्ण किया जायेगा। सर्वेयर द्वारा क्षति का आंकलन सम्बन्धित कृषक व स्थानीय कृषि विभाग के अधिकारी या कर्मचारी के साथ संयुक्त रूप से किया जायेगा। यदि अधिसूचित इकाई क्षेत्र में फसल के कुल बीमित क्षेत्र को 25 प्रतिशत से अधिक की क्षति की सूचना प्राप्त होती है, तो अधिसूचित इकाई के वे कृषक जिन्होंने अपनी फसल का बीमा कराया है तथा कृषक, जिनके द्वारा बीमा कम्पनी को निर्धारित समयावधि में पोस्ट हार्वेस्ट हानि का इंटीमेशन किया गया है उनको सैंपल सर्वे के आधार पर क्षतिपूर्ति देय होगी। ऐसी स्थिति में सर्वेयर द्वारा सम्बन्धित कृषकों व स्थानीय कृषि विभाग के अधिकारी कर्मचारी की संयुक्त समिति के द्वारा सीमित क्षेत्र में कराये गये सर्वेक्षण के आधार पर फसल की क्षति का प्रतिशत निर्धारित किया जायेगा।

भीलवाड़ा में डॉ. अंबेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी की बैठक

एससी-एसटी अत्याचारों पर जताई चिंता

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

डॉ. अंबेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी जयपुर के अध्यक्ष सत्यवीर सिंह का भीलवाड़ा आगमन पर भव्य स्वागत किया गया। ढोल-नगाड़ों और जय भीम के नारों के साथ कार्यकर्ताओं व समाजबंधुओं ने उनका अभिनंदन किया। शहर के संगीत कला केंद्र में आयोजित बैठक में जिलेभर से अनुसूचित जाति वर्ग के प्रबुद्धजन और पदाधिकारी बड़ी संख्या में पहुंचे। बैठक में एससी-एसटी वर्ग पर बढ़ रहे अत्याचारों को लेकर चिंता व्यक्त की गई और सामाजिक एकजुटता पर जोर दिया गया। अध्यक्ष सत्यवीर सिंह ने कहा कि अध्यक्ष बनने के बाद वे पहली बार भीलवाड़ा आभार जताने आए हैं। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के प्रयासों से ही वंचित वर्ग को शिक्षा के द्वार तक पहुंचने का अवसर मिला। उन्होंने कहा, 'अगर हम स्कूल तक नहीं पहुंचते तो नौकरी कैसे मिलती? हमें समाज के प्रति जवाबदेह बनना होगा और बाबा साहेब के कार्यों को आगे बढ़ाना होगा। ' उन्होंने बताया कि सोसायटी प्रदेश में करीब 1 करोड़ 45 लाख लोगों की संस्था है, जो अनुसूचित वर्ग के अधिकारों और सामाजिक उत्थान के लिए कार्यरत है।

बैठक में वक्ताओं ने समाज में बढ़ रही घटनाओं पर गंभीर मंथन किया और संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में समाजहित में संगठित होकर कार्य करने का संकल्प लिया गया। स्र कानून के समर्थन में उठी आवाज, कहा– यह समतलीकरण की प्रक्रिया है क्षेत्र में यूएसजी कानून को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच सत्यवीर सिंह ने इसका समर्थन करते हुए इसे 'समतलीकरण की प्रक्रिया' बताया है। उनका कहना है कि इस कानून का विरोध करना उचित नहीं है, क्योंकि इसका उद्देश्य समाज में समानता को बढ़ावा देना और सभी वर्गों को समान अधिकार दिलाना है।

समर्थकों का कहना है कि भारतीय संविधान सभी नागरिकों को समानता का अधिकार देता है, जिसकी आधारशिला भारतीय संविधान में निहित है। ऐसे में किसी भी सुधारात्मक कानून का उद्देश्य समाज में संतुलन और न्याय स्थापित करना होना चाहिए।

सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्वंतत्र पत्रकार भंवर मेघवंशी ने समाज से आह्वान किया कि सभी लोग संगठित रहें और एकता का परिचय दें। 'हम सभी एक माला की तरह हैं, जिसमें अलग-अलग फूल जुड़कर एक भव्य माला का निर्माण करते हैं। विविधता में ही हमारी ताकत है,' वक्ताओं ने कहा।

सामाजिक एकजुटता, पारस्परिक सम्मान और समान अधिकारों की भावना को मजबूत करने की आवश्यकता है।

सामाजिक कार्यकर्ता भंवर मेघवंशी, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष सुशीला सालवी, जिलाध्यक्ष सोहन लाल भोजपुरिया महासचिव बालू लाल मेघवंशी, पूरण मल बेरी, डॉ चेतराम रायपुरिया, जले सिंह, मोहन लाल वर्मा, धर्मराज रेगर, भैरू लाल खोईवाल, गिरधारी मेघवाल, अखे राम बड़ोदिया, कैलाश देवतवाल, सतीश घुसर, धन्ना लाल खोरवाल, भंवर लाल मेघवंशी, रामसुख बैरवा, देबी लाल मेघवंशी, सुरेश मेघवंशी, एडवोकेट ममता मेघवंशी, ललिता मेघवंशी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

बेमौसम बारिश से रबी की फसलें हुई चौपट

अफीम, गेंहू, जौ, सरसो फसलें बर्बाद, किसान चिंतित

स्मार्ट हलचल | काछोला

कस्बे सहित तहसील क्षेत्र में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से किसानों की फसलें तबाह हो गई हैं। तैयार खड़ी अफीम, गेहूं और सरसों की फसलों को भारी नुकसान हुआ है। इस प्राकृतिक आपदा के कारण किसानों को लाखों रुपये का आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है।

किसानों के अनुसार, अफीम की फसल इस समय महत्वपूर्ण चरण में थी। चीरा लगाने के बाद डोड़ों से निकलने वाला अफीम का दूध तेज बारिश के कारण बह गया। आसमान में छाए बादल और नमी पहले से ही अफीम उत्पादन को प्रभावित कर रहे थे, लेकिन मूसलाधार बारिश ने स्थिति और बिगाड़ दी।

बारिश के साथ चली तेज हवाओं से खेतों में खड़ी गेहूं, जौ और सरसों की फसलें गिर गईं। जिन किसानों ने फसल काटकर सूखने के लिए खेतों में छोड़ी थी, वह बारिश में भीगकर काली पड़ गई है और खराब होने लगी है। नाहरगढ क्षेत्र में हुई ओलावृष्टि से फसलों के साथ पशुओं के चारे को भी भारी क्षति पहुंची है।

क्षेत्र के किसानों ने बताया कि मौसम के इस बदलाव ने उनकी आर्थिक स्थिति को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। अफीम उत्पादन के लिए प्रतिकूल मौसम और बेमौसम बारिश ने उन्हें बर्बादी के कगार पर ला दिया है। प्रभावित किसान अब सरकार और प्रशासन से उचित गिरदावरी करवाकर मुआवजे की मांग कर रहे हैं।

फसल खराबे को देखने पटवारी व ग्रामसेवक अधिकारी मौके पर पहुंचे

स्मार्ट हलचल | उदलियास

बड़ा महुआ में बे-मोसम बारिश तेज हवाओ व ओलावृष्टि से फसल खराब पंचायत समिति प्रतिनिधि शुभम चौधरी ने बताया कि ग्राम पंचायत बड़ामहुआ व खायडा के बारिश में खेतों में हुए गेहूं की फसल किसानों के नुकसान को देखकर संबंधित अधिकारी पटवारी अंकिता ओझा ग्राम सेवक कमलेश जाट ने खेतों में जाकर निरीक्षण किया सरपंच बद्री लाल जाट ने बताया कि पटवारी व ग्रामसेवक को किसानों के फसल खराब को देखते हुए खेत में मोके पर बुलाकर ग्रामीणों के साथ खेतों में जाकर फसल खराबा बताया व मौके पर ही ग्राम सेवक से रिपोर्ट तैयार करवाकर संबंधित विभाग में भिजवाई गई जिसकी प्रति मेरे द्वारा साझा की जा रही है गांवो में किसानों का हाल बेहाल होरहा है आप सभी के सी सी लोन धारक संबंधित बीमा कंपनी कस्टमर केयर नंबर पर संपर्क करके शिकायत दर्ज करवाए जल्द ही कलेक्ट्रेट पर ग्रामीणों के साथ ज्ञापन दिया जाएगा व मुआवजा दिलवाया जाएगा।

उदलियास क्षेत्र में तेज अंधड़, बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान

स्मार्ट हलचल | उदलियास

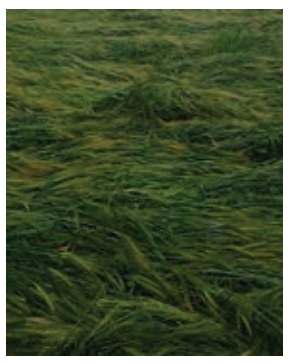

उदलियास में मौसम ने किसानों की चिंता बढ़ा दी। तेज अंधड़, मेघ गर्जना और झमाझम बारिश के साथ कुछ देर तक छोटे बेर के आकार के ओले गिरने से खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा है। खासकर गेहूं सरसों की फसल प्रभावित होने से किसान मायूस नजर आए। उदलियास सहित कई गांवों में मौसम का मिजाज बदला। शिव सिंह सोलंकी ने बताया कि उदलियास में दिनभर आसमान में बादल छाए रहे। शाम करीब पांच बजे अचानक काली घटाएं छा गई और छह बजे के आसपास मेघ गर्जना व आकाशीय बिजली की चमक के साथ तेज अंधड़ और झमाझम बारिश शुरू हो गई। इस दौरान कुछ देर तक छोटे बेर के आकार के ओले भी गिरे। तेज अंधड़ के चलते क्षेत्र में बिजली आपूर्ति भी बाधित हो गई। अचानक हुई बारिश से जहां आमजन को गर्मी से राहत मिली, वहीं खेतों सरसों की कटाई कर रहे किसानों के चेहरे पर चिंता की लकीरें खिंच गईं। कटाई के दौरान हुई बारिश से फसल खराब होने की आशंका है। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। किसान सरकार से मुआवजा दिलवाने की मांग की।

लघु उद्योग भारती महिला इकाई द्वारा विशेष नेटवर्किंग कार्यक्रम आयोजित

डिजिटल युग में मजबूत नेटवर्क व्यवसाय के सुव्यवस्थित विस्तार की आधारशिला : पल्लवी लढा

उद्यमी महिलाओं ने अपनी संघर्ष यात्रा और उपलब्धियों को किया साझा किया, मिला नया आयाम

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। लघु उद्योग भारती महिला इकाई द्वारा उद्यमी महिलाओं के मध्य सार्थक संवाद और सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक विशेष नेटवर्किंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं को एक साझा मंच प्रदान करना था, जहां वे अपने अनुभव साझा कर सकें और परस्पर सहयोग के अवसर विकसित कर सकें। कार्यक्रम में उद्यमी महिलाओं ने अपनी संघर्ष यात्रा और उपलब्धियों को साझा किया, जिससे वातावरण प्रेरणादायक और भावनात्मक बन गया। यह अनुभव रहा कि दृढ़ संकल्प और निरंतर प्रयास से महिलाएं हर चुनौती को अवसर में बदल रही हैं। अध्यक्ष पल्लवी लढा ने अपने संबोधन में कहा कि नेटवर्किंग व्यवसाय को गति देने का सशक्त माध्यम है। इससे उद्यमियों के बीच विश्वास बढ़ता है, आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सही संपर्क स्थापित होते हैं तथा सहयोग की नई संभावनाएं बनती हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में मजबूत नेटवर्क व्यवसाय के सुव्यवस्थित विस्तार की आधारशिला है। उपाध्यक्ष प्रियंका मेहता ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि ऐसे मंच महिलाओं में आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता को सुदृढ़ करते हैं। सह सचिव रेखा ईनाणी ने बताया की कार्यक्रम में उद्यमी रक्षा जैन, प्रिया जैन, अर्चना अजमेरा, ऐश्वर्या अग्रवाल, आश्का सोनी, सरिता अग्रवाल, रिंकू मारोठिया, प्रिया कोठारी, मनीषा अग्रवाल, आरती अग्रवाल, अंजना तोषनीवाल, सोनिया असावा, शिल्पा टिक्कीवाल, स्वाति टिक्कीवाल, नीता बंसल, सहित अन्य महिला उद्यमी एवं कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम महिला उद्यमियों के मध्य परस्पर संवाद एवं सहयोग स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कड़ी सिद्ध हुआ।

राज्यपाल 20 फरवरी को भीलवाड़ा दौरे पर, विभिन्न कार्यक्रमों में करेंगे सहभागिता

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े शुक्रवार, 20 फरवरी को भीलवाड़ा जिले के दौरे पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रमानुसार वे प्रातः 08:20 बजे हेलीकॉप्टर द्वारा भीलवाड़ा के लिए प्रस्थान करेंगे तथा प्रातः 10:15 बजे पुलिस लाइन हेलीपैड, भीलवाड़ा पहुंचेंगे।

राज्यपाल बागड़े सड़क मार्ग से संगम विश्वविद्यालय के लिए प्रस्थान कर 10:35 बजे वहां पहुंचेंगे। तत्पश्चात 11:00 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक वे संगम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता करेंगे। दोपहर 01:30 बजे राज्यपाल हरि सेवा धर्मशाला के लिए प्रस्थान करेंगे तथा 01:45 बजे वहां पहुंचेंगे। वे दोपहर 01:45 बजे से 02:10 बजे तक आयोजित 'सनातन मंगल महोत्सव' कार्यक्रम में भाग लेंगे।

कार्यक्रम उपरांत दोपहर 02:15 बजे वे पुलिस लाइन हेलीपैड के लिए आगामी कार्यक्रमों हेतु प्रस्थान करेंगे । राज्यपाल के प्रस्तावित दौरे को लेकर जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

पुर में माली समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन

तुलछा माता सहित 18 जोड़े बनें जीवनसाथी, बागोर के ठाकुरजी चारभुजा नाथ तुलछा माता संग लिए फेरे

स्मार्ट हलचल | गुरलां

माली समाज के सामुहिक विवाह सम्मेलन मे 18 जोड़े ने थामा विवाह सम्मेलन में हाथ। चारभुजा जी तुलछा माता सहित वर वधु की घोड़ों व बग्घी पर निकली बन्दोली। शोभायात्रा में बराती व सम्मेलन आयोजक सजे धजे बैण्ड बाजा पर नाचते हुए शोभायात्रा में शामिल हुए। उपनगर पुर में घाटी के बालाजी के गुरूवार को माली समाज का चतुर्थ सामूहिक विवाह सम्मेलन धूमधाम से आयोजित हुआ। जिसमें माली समाज के 18 जोड़े रीति रिवाज के साथ परिणय-सूत्र में बंधे।

शोभायात्रा में बग्गी, घोड़े का लवाजमा साथ चल रहा था। ग्रामीणों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर चारभुजा नाथ व वर वधुओ का स्वागत किया। लोग गीतों पर नाचते हुए चल रहे थे। विवाह स्थल पर पहुंचने पर दूल्हों ने तोरण की रस्म निभाई। विवाह पांडाल में बने मंच पर दूल्हों- दुल्हनों ने एक-दूसरों को वरमाला पहनाई। पंडित अशोक कुमार व्यास के मुखारबिंद से मंत्रोंचार शुभ मुहूर्त में अग्नि के समक्ष सात वचनों के साथ फैरे लिए।

समय-समय पर ऐसे आयोजन समाज की एकजुटता के लिए जरूरी हैं। राजनैतिक प्रतिस्पर्धा के लिए शिक्षा जरूरी है। शिक्षा के अभाव में समाज मे सामाजिक और आर्थिक विकास की गति धीमी रहती है। आज माली समाज शांति प्रिय व अन्य समाज के श्रद्धा योग्य हो गया है। इस अवसर पर सामूहिक विवाह समिति के सचिव शंकरलाल गोयल, संरक्षक रामस्वरूप माली,भंवर सतरावला, कैलाश नुईवाल, प्रभुलाल नुईवाल, लालचंद माली, नानूराम गोयल, जगदीश ढिबरिया, बंशीलाल माली, कैलाश माली, भवानीराम माली, नारायण कनवासिया, कन्हैयालाल बुलिवाल, रमेश माली, भैरूलाल माली, रामस्वरूप् माली, मूलचंद छुलिवाल, मदन गहलोत, गोपाल माली, जगदीश गोयल, गणपत महावर, बद्रीलाल माली सहित सैकड़ों समाजजन उपस्थित रहे।

मोहम्मद रफीक बिसायती बने भीलवाड़ा कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। राजस्थान कांग्रेस कमेटी के खेल प्रकोष्ठ में नियुक्तियों का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में, बिसायती समाज सेवा संस्थान के उपाध्यक्ष मोहम्मद रफीक बिसायती को कांग्रेस कमेटी राजस्थान खेल प्रकोष्ठ का भीलवाड़ा जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति जयपुर स्थित खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष आमीन पठान के निवास स्थान पर की गई। पठान ने मोहम्मद रफ़ीक़ की सक्रियता और खेल के प्रति उनके समर्पण को देखते हुए उन्हें यह अहम जिम्मेदारी सौंपी है। नियुक्ति की घोषणा के साथ ही बिसायती समाज सेवा संस्थान के पदाधिकारियों ने खुशी जाहिर की। इस खास मौके पर उपस्थित अतिथियों ने रफ़ीक़ बिसायती का माला पहनाकर और साफा बांधकर पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। इस दौरान आरिफ काजी रायला (संस्थापक एवं उपसरपंच, बिसायती समाज सेवा संस्थान), हाफिज मोहम्मद (करेड़ा), मोहम्मद उमर (भीलवाड़ा), मोहम्मद सलीम (कोषाध्यक्ष, भीलवाड़ा) उपस्थित थे। बिसायती समाज सेवा संस्थान ने इस नियुक्ति पर मोहम्मद रफीक बिसायती को मुबारकबाद पेश करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। समाज के लोगों का मानना है कि उनकी इस नियुक्ति से भीलवाड़ा जिले में खेल प्रतिभाओं को नया मंच मिलेगा और कांग्रेस का खेल संगठन और अधिक मजबूत होगा।

एसएमपीएस प्राइमरी विंग में मोबाइल फोन, एक स्मार्ट उपकरण या मौन विनाशक पर सेमिनार का आयोजन

मोबाइल का संतुलित और जिम्मेदारी पूर्ण उपयोग करे विद्यार्थी:जगदीश कोगटा

सचिव राजेंद्र कचौलिया ने सभी को मोबाइल का कम से कम व संतुलित उपयोग करने की शपथ दिलाई

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। श्री महेश सेवा समिति द्वारा संचालित श्री महेश पब्लिक स्कूल प्राइमरी विंग में मोबाइल फोन एक स्मार्ट उपकरण या मौन विनाशक पर जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। श्री महेश सेवा समिति के निर्देशक व विद्यालय प्रभारी दिनेश शारदा ने बताया कि विद्यालय में कक्षा 1 से 5 के विद्यार्थियों व अभिभावकों ने इस जागरूकता सेमिनार में भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को मोबाइल फोन के सही उपयोग एवं उसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में श्री महेश सेवा समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश नराणीवाल, सचिव राजेंद्र कुमार कचौलिया, कोषाध्यक्ष राजेश बाहेती, संचालक सदस्य केदारमल जागेटिया, दिनेश कुमार शारदा तथा चंद्र प्रकाश काल्या, मुख्य वक्ता मुख्य वक्ता संयुक्त सचिव महामंत्री कार्यालय, अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा जगदीश कोगटा उपस्थित रहे। पधारे हुए सभी अतिथियों का स्वागत अपर्णा व तिलक के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन तथा वंदे मातरम् के साथ हुई। विद्यालय की प्रधानाचार्या निधि झा भार्गव द्वारा स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया गया। सेमिनार के दौरान मुख्य वक्ता जगदीश कोगटा ने विद्यार्थियों व अभिभावकों को बताया कि मोबाइल फोन आज के युग में शिक्षा, संचार और जानकारी प्राप्त करने का महत्वपूर्ण साधन है, लेकिन इसके अत्यधिक उपयोग से स्वास्थ्य, आंखों की समस्या, एकाग्रता में कमी और समय की बर्बादी जैसी हानियाँ भी हो सकती हैं। उन्होंने अभिभावकों को सलाह दी कि वे बच्चों के मोबाइल उपयोग पर उचित निगरानी रखें तथा समय-सीमा निर्धारित करें। विद्यार्थियों को भी मोबाइल का संतुलित और जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग करने की प्रेरणा दी गई।

विद्यालय की प्रधानाचार्या निधि झा भार्गव ने कहा कि मोबाइल फोन आज के डिजिटल युग का महत्वपूर्ण साधन है लेकिन मोबाइल का अत्यधिक एवं अनुचित उपयोग बच्चों की एकाग्रता, स्वास्थ्य और सामाजिक व्यवहार पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। श्री महेश सेवा समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश नराणीवाल ने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों के मोबाइल उपयोग पर निगरानी रखें, समय-सीमा तय करें तथा बच्चों को खेल-कूद, पुस्तक पठन और रचनात्मक गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित करें। सचिव राजेंद्र कचौलिया ने सभी उपस्थित अतिथियों, अभिभावकों, विद्यार्थियों आदि को शपथ दिलवाते हुए कहा कि सभी मोबाइल का कम से कम व संतुलित उपयोग करेंगे।

कोषाध्यक्ष राजेश बाहेती ने बताया कि यदि मोबाइल का सही दिशा में उपयोग किया जाए तो ही मोबाइल विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन और कौशल विकास में सहायक सिद्ध हो सकता है। निर्देशक व विद्यालय प्रभारी दिनेश शारदा ने कहा कि मोबाइल तकनीक तभी लाभकारी है जब उसका संतुलित और जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग किया जाए। सेमिनार का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रशासन ने सभी उपस्थित अभिभावकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया और ऐसे जागरूकता कार्यक्रम भविष्य में भी आयोजित करने का संकल्प लिया। यह सेमिनार अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ।

बिजौलिया से भीलवाड़ा के लिये डिलेवरी रेफर के दौरान रास्ते मे प्रसव

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा/ बिजोलिया

बिजोलिया उप जिला अस्पताल से भीलवाड़ा के लिए सुमित्रा देवी / संजय कुमार को डिलेवरी के लिए रेफर किया, परन्तु रास्ते में महिला को प्रसव पीडा अत्यधिक होने के कारण गाड़ी को रास्ते में साईड पर रोक कर ई एम टी विश्वजीत सिंह ने तत्परता दिखाते हुए डिलेवरी सफलतापूर्वक करवाई। जिसमें महिला व बच्चा दोनों को सुरक्षित महात्मा गांधी जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। महिला व उसके परिजनों ने 108 स्टाफ का हाथ जोड़कर दिल से धन्यवाद दिया। सहयोग के लिए पायलेट विजेश खटीक भी साथ रहै।

भीलवाड़ा नगर निगम की ताबड़तोड़ कार्रवाई

प्लास्टिक, गंदगी और अतिक्रमण पर सख्त प्रहार; 76.55 लाख नगरीय विकास कर वसूला

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा शहर को सिंगल यूज प्लास्टिक, गंदगी और अस्थायी अतिक्रमण से मुक्त करने के लिए नगर निगम का विशेष अभियान तेजी से जारी है। जिला कलेक्टर एवं निगम प्रशासक जसमीत सिंह संधू के निर्देश पर 19 फरवरी को 16 किलो सिंगल यूज प्लास्टिक/प्लास्टिक कैरी बैग जब्त कर 8,700 का जुर्माना वसूला गया।

1040 किलो प्लास्टिक जब्त,

1.95 लाख की वसूली:-

9 से 28 फरवरी तक चल रहे अभियान में अब तक 1040 किलो सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त कर 1.95 लाख का जुर्माना वसूला जा चुका है। निगम आयुक्त हेमाराम चौधरी ने स्पष्ट किया कि शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने की कार्रवाई नियमित रूप से जारी रहेगी।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत 28 लोगों पर 7,000 का जुर्माना लगाया गया। अभियान के दौरान गंदगी फैलाने वालों से अब तक 2.84 लाख वसूले जा चुके हैं। वहीं नगरीय विकास कर के रूप में 19 फरवरी को 2.80 लाख और कुल मिलाकर 76.55 लाख की वसूली की जा चुकी है।

60 प्रतिष्ठानों के बाहर अतिक्रमण ध्वस्त:-

महारानी ट्रेड सेंटर से नेहरू रोड और माणिक्य नगर चौराहे क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए 60 व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के बाहर किए गए अस्थायी अतिक्रमण हटाए गए। कार्रवाई के दौरान क्षतिग्रस्त सड़क और नालियों की मरम्मत का कार्य भी शुरू कर दिया गया है। जहां सड़क और नाली के बीच कच्ची जगह है, वहां पक्की सड़क निर्माण कराया जाएगा।

कालोनियों से उठी आवाज, बंद रास्ते और कचरे के भूखंड भी हों मुक्त

सूत्रों के अनुसार शहर में व्यापक स्तर पर अवैध अतिक्रमण हटाने की मुहिम को और तेज करने की मांग:- अब कालोनियों से भी उठने लगी है। कई आवासीय क्षेत्रों में लंबे समय से बंद पड़े सार्वजनिक मार्गों से अतिक्रमण हटाकर रास्ते खुलवाने की मांग तेज हो गई है।

इसके साथ ही शहर की अनेक कालोनियों में खाली पड़े भूखंड कचरे के ढेर में तब्दील हो चुके हैं। स्थानीय नागरिकों ने ऐसे भूखंडों को कचरा मुक्त कराने और नियमित सफाई सुनिश्चित करने की मांग उठाई है, ताकि गंदगी, दुर्गंध और बीमारियों के खतरे से राहत मिल सके।

निगम प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि अभियान को आवासीय क्षेत्रों तक विस्तार देते हुए बंद मार्गों और कचरा बने खाली भूखंडों पर भी जल्द सख्त कार्रवाई की जा सकती है।

सड़क हादसे में अज्ञात युवक की मौत, हाथ पर गुदा है 'दिनेश'

पुलिस कर रही है मृतक की पहचान के प्रयास

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। शहर के अरिहंत हॉस्पिटल के समीप एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है, जिसमें एक अज्ञात युवक की मौत हो गई । घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया।मृतक के दाहिने हाथ कर दिनेश गुदा हुआ है।पुलिस मृतक की पहचान के प्रयास कर रही है।कोतवाली पुलिस ने बताया कि जरिए टेलीफोन सूचना मिली कि अरिहंत हॉस्पिटल के समीप एक अज्ञात युवक सड़क किनारे लहूलुहान हालत में पड़ा हुआ है।सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची, और

उक्त युवक को एंबुलेंस की सहायता से जिला अस्पताल पहुंचाया,जहां ड्यूटी डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि मृतक के दाहिने हाथ पर दिनेश नाम गुदा हुआ है ओर उसने काले रंग की शर्ट और जींस पहन रखी है। फिलहाल मृतक के शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया गया है,पुलिस आसपास के क्षेत्रों में मृतक की पहचान के प्रयास कर रही है।

राजे छत्रपति शिवाजी महाराज की 396 वीं जयंती पर निकली भव्य शोभायात्रा

स्मार्ट हलचल | निंबाहेड़ा

निंबाहेड़ा क्षत्रीय मराठा समाज द्वारा राजे छत्रपति शिवाजी महाराज की 396 वीं जन्म जयंती के पावन अवसर पर गुरुवार को नगर में भव्य एवं आकर्षक शोभायात्रा का आयोजन किया गया। दोपहर 3:15 बजे निकाली गई इस शोभायात्रा का चित्तौड़ी दरवाजा, पुराने हॉस्पिटल के पास कांग्रेसजनों द्वारा पुष्पवर्षा कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

राजस्थान सरकार के पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना की ओर से कांग्रेसजनों ने रथ में विराजित राजे शिवाजी महाराज की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया तथा उनके राष्ट्रनिर्माण, पराक्रम, न्यायप्रियता एवं स्वाभिमान के आदर्शों को स्मरण किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह में विशेष उत्साह एवं गौरव का वातावरण देखने को मिला।

इस अवसर पर कार्यक्रम में नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष बंशीलाल राईवाल संगठन महासचिव रविप्रकाश सोनी, विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष जसवंत सिंह आंजना, कांग्रेस ओबीसी प्रकोष्ठ नगर अध्यक्ष मुकेश माली, नगर कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष शमशू कमर मंसूरी, महासचिव मनीष जारोली, ओम प्रकाश शर्मा, सचिव आशीष अग्रवाल, एन एस यू आई के ब्लाक अध्यक्ष भंवर सिंह शक्तावत, पूर्व पार्षद शांतिलाल लाडना, राजेश सांड, कार्यकारिणी सदस्य लक्ष्मीनारायण चौहान, फरीद खान, मंसूर अली बोहरा, विकास धाकड़ संतोषपुरिया, समरथ रैगर, श्रवण आंजना, कमलेश मीणा तथा कांग्रेस कार्यालय प्रभारी ज़ाकिर हुसैन सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

नई गाड़ी का मुहूर्त कर घर के लिए निकला परिवार, बोनट से उठा धुआं

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। मुहर्त कर गाड़ी लेकर घर लोट रहे परिवार की नई नवेली गाड़ी में धुआं उठने से अफरातफरी मच गई, यह घटना गुरुवार को अजमेर रोड के युआईटी के समीप हुई। जानकारी के अनुसार चलती कार में बोनट से अचानक धुआं उठने लगा इस दौरान अनभिज्ञता के चलते परिवार बाहर निकल गया । संभावना जताई जा रही है कि इंजन के पास वायरिंग के पास धुंआ उठा और वहीं से गंध भी आ रही थी। मौके पर कंपनी के मैकेनिक के आने तक पुरा परिवार गाड़ी छोड़कर दुर खड़ा रहा। मैकेनिक के आने के बाद सभी ने राहत की सांस ली । वही धुआं उठने के कारण स्पष्ट नहीं हो पाए ।

जांच में नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत की हो पालना - लोकायुक्त श्री लोहरा

राजस्थान लोकायुक्त ने उदयपुर में ली बैठक

पीड़ितों को संवेदनशीलता से राहत दिलाने के निर्देश

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

राजस्थान के लोकायुक्त जस्टिस प्रताप कृष्ण लोहरा गुरुवार को उदयपुर प्रवास पर रहे। श्री लोहरा ने कलेक्ट्रेट मिनी सभागार में अधिकारियों की बैठक लेकर उदयपुर जिले से जुड़े लंबित प्रकरणों की जांच प्रगति की समीक्षा की।

जिला कलेक्टर नमित मेहता, जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल की उपस्थिति में हुई बैठक में श्री लोहरा ने जिला परिषद, यूडीए, नगर निगम, बिजली निगम, राज्य बीमा, राजस्व सहित विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों की स्थिति पर विस्तार से जानकारी ली और जांच में तेजी लाने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान राजस्थान लोकायुक्त दम लंबित मामलों की निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। लोकायुक्त श्री लोहरा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रकरणों की जांच करते समय नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों की पूर्ण पालना की जाए, ताकि किसी भी पक्ष के साथ अन्याय न हो। उन्होंने विशेष रूप से मानवीय दृष्टिकोण से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता बरतने की आवश्यकता बताई। लोकायुक्त ने कहा कि पीड़ितों को राहत दिलाना प्राथमिकता होनी चाहिए और जांच प्रक्रिया पारदर्शी एवं प्रभावी होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कर आमजन का विश्वास बनाए रखें। बैठक में लोकायुक्त सचिव श्री गौरीशंकर शर्मा, एडीएम सिटी जितेंद्र ओझा, जिला परिषद सीईओ रिया डाबी, नगर निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना, यूडीए सचिव हेमेंद्र नागर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

विधायक आक्या ने उठाया उचित मूल्य की दुकाने खोलने का मुद्दा उठाया

स्मार्ट हलचल

शंभूपुरा। चित्तौड़गढ़ विधायक चन्द्रभान सिंह आक्या ने गुरूवार को विधानसभा में उचित मूल्य की दुकान खोलने संबंधी प्रश्न उठाते हुए सरकार से जवाब तलब किया।

विधायक आक्या ने विधानसभा में प्रश्न उठाते हुए सरकार से पूछा की बजट 2022-23 में प्रदेश में पांच हजार नई राशन की दुकानें खोलने की घोषणा की गई थी उसमें से किस-किस जिले में कितनी-कितनी दुकाने खोली गई तथा चित्तौडगढ़ जिले में विगत एक वर्ष में कितनी नई राशन की दुकाने खोली गई? क्या सरकार आमजन की सुविधा को देखते हुए नई उचित मूल्य की दुकान के नियमों का सरलीकरण करने का विचार रखती है?

इस पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने जवाब देते हुए बताया की गत कांग्रेस सरकार द्वारा वर्ष 2022-23 के बजट में पांच हजार नई दुकाने खोलने की घोषणा की गई थी, जिसमें से मात्र 531 दुकाने ही खोली गई।

मंत्री सुमित गोदारा ने बताया की प्रदेश की भजनलाल शर्मा सरकार द्वारा गत वर्ष 841 नई राशन की दुकाने खोलने हेतु विज्ञप्ति जारी की गई थी जिसमें से 442 दुकानो की चयन प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है तथा 399 की प्रक्रियाधीन है। चित्तौडगढ़ जिले में 15 दुकाने खोलने की विज्ञप्ति जारी कर आवेदन आमंत्रित किए गए है।

मंत्री ने कहा की नियमो के तहत 500 राशनकार्ड व 2000 यूनिट पर राशन की दुकान खोलने का नियम है लेकिन भजनलाल शर्मा सरकार ने आमजन की सुविधा को देखते हुए इसका सरलीकरण करते हुए परिपत्र जारी कर जिला कलक्टर को उचित मुल्य की दुकान खोलने हेतु अधिकृत किया है। इसके अलावा विधायक आमजन की सुविधा को देखते हुए राशन की दुकान खोलने की सिफारीश करता है तो सरकार द्वारा तुरंत प्रभाव से दुकान खोलने की स्वीकृती प्रदान कर दी जाएगी।

जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक, बाल श्रम उन्मूलन पर सख्त निर्देश

31 मार्च तक विशेष अभियान, उपखंड स्तर पर सतर्कता समितियों के गठन के आदेश

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू के निर्देशानुसार गुरुवार को अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन) रणजीत सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय टास्क फोर्स, बाल श्रम टास्क फोर्स एवं बंधक श्रमिक सतर्कता समिति की बैठक आयोजित हुई।

बैठक में बाल श्रम व बंधक श्रमिकों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए। जुलाई 2009 के बाद स्थापित संस्थानों का सर्वे कर निरीक्षण आदेश जारी करने तथा शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित करने को कहा गया। साथ ही उपखंड अधिकारियों से समन्वय कर उपखंड स्तरीय बंधक श्रमिक सतर्कता समितियों का शीघ्र गठन करने के

निर्देश दिए गए।

31 मार्च तक संचालित पैन इंडिया अभियान के तहत संवेदनशील संस्थानों का सर्वे कर अधिकाधिक बाल श्रमिकों को मुक्त कराने और प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के शिविरों में असंगठित श्रमिकों का अधिक से अधिक पंजीयन कराने पर भी जोर दिया गया। बैठक में उप श्रम आयुक्त शिवदयन सोलंकी, श्रम निरीक्षकगण तथा संबंधित विभागों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

विधानसभा में गरजा शाहपुरा का सवाल, डॉ. लालाराम बैरवा ने पूर्व सरकार पर बोला करारा हमला

झूठी घोषणाओं से जनता को लड़ाने का आरोप, शाहपुरा को फिर जिला बनाने की उठी बुलंद मांग

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। राजस्थान विधानसभा के सदन में गुरुवार को शाहपुरा का मुद्दा फिर गरमाया। विधायक डॉ. लालाराम बैरवा ने पूर्ववर्ती सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि 'राजनीतिक घोषणाओं के दम पर झूठी वाहवाही लूटी गई, लेकिन जनता ने सच्चाई पहचान ली, इसलिए आज वही सरकार विपक्ष में बैठी है। 'विधायक बैरवा ने कहा कि पूर्व सरकार ने जिलों की घोषणाओं को राजनीति का हथियार बनाया और राजस्थान के लोगों को आपस में लड़ाने का काम किया।

शाहपुरा का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने सरकार से दो टूक मांग की कि शाहपुरा को पुनः जिला बनाने पर गंभीरता से विचार किया जाए। बैरवा ने कहा कि सिर्फ घोषणा नहीं, बल्कि योजनाबद्ध विकास के साथ शाहपुरा को जिला बनाया जाए ताकि आमजन को प्रशासनिक सुविधाएं, रोजगार और बुनियादी ढांचे का वास्तविक लाभ मिल सके।

उन्होंने यह भी कहा कि शाहपुरा ऐतिहासिक, भौगोलिक और प्रशासनिक दृष्टि से जिला बनने की सभी कसौटियों पर खरा उतरता है। 'यह क्षेत्र लंबे समय से जिला बनने की प्रतीक्षा में है, अब टालमटोल नहीं चलेगी,' उनके इस बयान पर सदन में सियासी हलचल देखी गई।

विधानसभा में उठी इस आवाज से शाहपुरा के लोगों में नई उम्मीद जगी है। अब सबकी निगाहें सरकार के अगले कदम पर टिकी हैं कि शाहपुरा को फिर से जिला बनाने की दिशा में कब और कैसे ठोस निर्णय लिया जाता है।

गेणोली में देवनारायण भगवान सप्तमी बंधेज पूर्णाहुति की तैयारियां जोरों पर

स्मार्ट हलचल | मांडलगढ़

गेणोली ग्राम में स्थित देवनारायण भगवान मंदिर में सप्तमी बंधेज पूर्णाहुति के अवसर पर चार दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम 20 फरवरी से प्रारंभ होगा और इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। महावीर सेन के अनुसार, मंदिर समिति द्वारा इस कार्यक्रम की तैयारियां जोरों पर हैं। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान और पूजा-अर्चना की जाएगी, जिसमें श्रद्धालु भाग

लेंगे। सेन ने बताया, 'हम इस कार्यक्रम को भव्य और सफल बनाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। हम श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं कर रहे हैं। '

पूर्वांचल जन चेतना समिति ट्रस्ट ने किया पूर्व केंद्रीय मंत्री का स्वागत

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

जिले में प्रवास के दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री नागमणि अपने एक दिवसीय दौरे पर भीलवाड़ा पहुंचे। भीलवाड़ा में माली समाज द्वारा आयोजित सामाजिक सामूहिक विशाल विवाह सम्मेलन में शिरकत लेने पहुंचे।

गौरतलाब बात है कि बिहार राज्य के कदावर एवं प्रतिष्ठित नेता के तौर लोकसभा एवं राज्यसभा दोनों में सांसद सदस्य बने और सामाजिक उत्थान के लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री नागमणि जाने जाते हैं।

भीलवाड़ा स्थित पूर्वांचल जन चेतना समिति चैरिटेबल ट्रस्ट के पदाधिकारी ने इस अवसर पर गरमजोशी से उनका होटल रॉयल एंबेसी में स्वागत किया। पूर्वांचल जन चेतना समिति के संस्थापक अध्यक्ष रजनीश वर्मा के निर्देशानुसार समिति की कार्यकारिणी सदस्यगण रामावती देवी, अनुराधा झा, शिल्पी सिंह , पूनम झा, लक्षिता, नीलम देवी ने उनका पुष्पगुछ देकर और पटका पहन कर स्वागत किया।

समिति की ओर से पदाधिकारी ने उन्हें भीलवाड़ा में बड़ी संख्या में पूर्वांचल वासियों के होने का जानकारी दी जिसमें क्रमशः बिहार, उत्तर प्रदेश, बंगाल, उड़ीसा, मध्य प्रदेश के लोग बड़ी संख्या में रहते हैं और राजस्थान के अब वह वोटर भी है ।

ऐसी स्थिति में जहां-जहां पूर्वांचल समाज के लोग ज्यादा संख्या में है वहां भी राजनीतिक पार्टियों को उनके बीच नेतृत्व तलाश कर उन्हें भी बराबर का मौका दिए जाने तथा समाज के मुख्य धारा से जोड़ने का आग्रह किया।

तेज रफ्तार का कहर, दो कारो में आमने सामने जोरदार भिड़ंत, दो गंभीर रूप से घायल, एक हुआ घायल

स्मार्ट हलचल | बिजौलिया

प्रसिद्ध तिलस्वां महादेव मेले की खुशियों के बीच क्षेत्र की सड़कों पर हादसों का साया गहराता जा रहा है। बीती रात एक श्रद्धालु की मौत के बाद गुरुवार को फिर इसी मार्ग पर एक अल्टो और ओम्नी कार के बीच भीषण भिड़ंत हो गई। पिछले एक सप्ताह के भीतर यह तीसरा बड़ा हादसा है, जिससे स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं में भारी रोष और डर का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार को तिलस्वां मार्ग पर विपरीत दिशा से आ रही अल्टो और ओम्नी कारें आपस में टकरा गईं। भिड़ंत इतनी तेज थी कि कारों के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने घायलों को तुरंत निजी वाहनों की मदद से अस्पताल पहुंचाया। हादसा इतना जबरदस्त था की इस दुर्घटना में तीन जने गंभीर रूप से घायल हो गए जिनकी पहचान जिनकी पहचान विकास पुत्र लड्डू यादव

निवासी बामनिया का तालाब, बादल पुत्र पप्पू यादव और रामलाल पुत्र मांगीलाल गंभीर रूप से घायल हो गए । विकास और बादल की हालात नाजुक होने पर उन्हें भीलवाड़ा जिला अस्पताल रेफर कर दिया और रामलाल को प्राथमिक उपचार देने के बाद छुट्टी दे दी । पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है वही घायलों का इलाज जारी है । स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि मेले के दौरान वाहनों की संख्या कई गुना बढ़ जाती है। सड़कों पर पुलिस की गश्त कम होने के कारण वाहन चालक बेखौफ होकर रफ्तार भर रहे हैं। संकरी सड़क और किनारे पर चलने वाले पैदल श्रद्धालुओं के कारण जोखिम और भी बढ़ गया है। स्थानीय निवासियों ने मांग की है कि जब तक मेला चल रहा है, इस मार्ग पर ट्रैफिक पुलिस की तैनाती की जाए और स्पीड ब्रेकर या संकेतक लगाए जाएं ताकि और मासूमों की जान न जाए।

टेक्सटाइल मार्केट की समस्याओं को लेकर नगर निगम भीलवाड़ा को सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

उपभोक्ता अधिकार समिति युवा इकाई द्वारा आज नगर निगम आयुक्त के नाम सह आयुक्त हरनारायण माली को ज्ञापन सौंपकर भीलवाड़ा टेक्सटाइल मार्केट में व्याप्त विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग की गई। युवा जिला अध्यक्ष अंकित सोमानी ने जानकारी देते हुए बताया कि भीलवाड़ा टेक्सटाइल मार्केट पूरे राजस्थान में टेक्सटाइल हब के रूप में विख्यात है। यहां से देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी कपड़ों का निर्यात किया जाता है।

प्रतिदिन देश-विदेश के व्यापारी यहां व्यापारिक गतिविधियों के लिए आते हैं। इसके बावजूद मार्केट क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं का अभाव गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। उन्होंने बताया कि पूरे टेक्सटाइल मार्केट में जगह-जगह गंदगी फैली हुई है, सड़कें टूटी-फूटी हैं तथा नालियों के ढक्कन टूटे होने के

कारण क्षेत्र में अव्यवस्था की स्थिति बनी हुई है। इन समस्याओं के कारण आए दिन छोटे-बड़े हादसे हो रहे हैं, जिससे व्यापारियों एवं आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन के माध्यम से नगर निगम प्रशासन का ध्यान इन गंभीर समस्याओं की ओर आकर्षित करते हुए शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करने का निवेदन किया गया।

इस अवसर पर केंद्रीय प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुनील राठी, पूर्व सभापति एवं केंद्रीय महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष मधु जाजू, महिला जिला अध्यक्ष अर्चना दुबे, महामंत्री हार्दिक सोनी, कोषाध्यक्ष त्रिदेव मूंदड़ा, उपाध्यक्ष हर्ष राठी, प्रवक्ता आशीष शाह, पूर्व पार्षद चेतन मानसिहका सहित अन्य सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

दाधीच समाज का निशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न, 6 जोड़ो ने थामा एकदूजे का हाथ

धन की बचत के साथ-साथ आर्थिक सुदृढ़ता देता सामूहिक विवाह – अध्यक्ष रविन्द्र दाधीच

बेटी बचाव व बेटी पढाव और पर्यावरण संरक्षण की शपथ के साथ जीवन भर संग रहने का किया वादा

स्मार्ट हलचल | कोटा

फुलेरा दूज (गुरूवार) के पावन दिन दाधीच छात्रावास समिति के तत्वाधान मे 16वां दाधीच सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया। अध्यक्ष रवींद्र जोशी (देहित) ने बताया कि 6 जोड़ों ने एक दूसरे को वरमाला पहनाकर हिंदू रीति रिवाज से फेरे लिए और अपना जीवनसाथी चुना। महामंत्री निमेश पुरोहित ने बताया कि विनायक स्थापना, वर निकासी, तोरण प्रक्रिया, वरमाला, अग्नि फेरे, पाणिग्रहण संस्कार तक कार्य विधिवत मंत्र उचारण व हर्षोउल्लास के साथ आयोजित किए गए। नागेश दाधीच ने बताया कि विवाह के दौरान दाधीच समिति की ओर से वर-वधुओं को उपहार में गृहस्थी का सामन भेंट किया गया। युवाअध्यक्ष कमल किशोर दाधीच व गोपाल दाधीच ने बताया कि अलग अलग मंडपों में हिंदू रीति रिवाज से वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विवाह की रस्में संपन्न कराई गई। महिला अध्यक्ष स्मिता व अम्बिका की महिला टीम ने कार्यक्रम बासन से दुल्ह श्रृंगार तक समस्त कार्यो में भागीदारी निभाई।मुख्य अतिथि कोटा बूंदी दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ के अध्यक्ष चैनसिंह राठौड़ रहे उन्होने आशीर्वाद समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि सामूहिक विवाह मात्र एक विवाह का आयोजन भर नहीं हैं अपितु इसके प्रभाव व समाज हित में लाभ बड़े दूरगामी हैं। किसी जरूरतमंद या असहाय परिवार की कन्या का विवाह करानें से बढ़कर कोई अन्य पुनीत कार्य नहीं है।

कार्यक्रम में अतिथी के तौर पर भाजपा वरिष्ठ नेता पंकज मेहता रहे उन्होने कहा कि सामूहिक विवाह दाधीचसमाज की एक प्रशंसनीय पहल है। सामूहिक विवाह समय की बर्बादी, दान-दहेज व फिजूलखर्ची जैसी कुरीतियों से भी समाज को मुक्ति दिलाने के लिए आवश्यक है। हमें समाज हित में सामूहिक विवाह आयोजनो का सार्थक बनाना होगा। विशिष्ट अतिथि के तौर पर सूर्यप्रकाश दौरासरी, अशोक दौरासरी, दिवाकर दाधीच, आचार्य कौशल किशोर दाधीच उपस्थित रहे। राजेश व गोपाल दाधीच ने बताया कि कार्यक्रम में 75 वर्ष से अधिक आयु के 140 समाजबंधुओं का सम्मान किया। वधू पक्ष के परिजन ने अपनी लाड़ली को भींगी पलकों के साथ विदा किया। कार्यक्रम में समाज अध्यक्ष अध्यक्ष रवींद्र जोशी (देहित), उपाध्यक्ष राजेश दाधीच, गोपल दाधीच, नागेश दाधीच, नरेन्द्र दाधीच, कोषाध्यक्ष सुनिल दाधीच, महिला मंडल अध्यक्षा स्मिता शर्मा व मंत्री अम्बिका शर्मा, कोषाध्यक्ष रेखा दाधीच, मोनिका दाधीच, सहित सहित कई समाज के प्रबद्धजन कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

सामूहिक विवाह कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए अध्यक्ष रवींद्र जोशी (देहित) ने सामूहिक विवाह के जोडो को आशीर्वाद देते हुए सामूहिक विवाह को समाज के हितकारी बताया। उन्होने कहा कि ब्राहम्ण समाज में सामूहिक विवाह का चलन कम है ऐसे दाधीच समाज साधूवाद का प्रात है जो 16वां सामूहिक विवाह का आयोजन करवा रहा है। नागेश दाधिच ने कहा कि सामूहिक विवाह से धन व समय की बचत होती है। आचार्य कोशल किशोर दाधीच ने कहा कि व्यक्ति शादी के लिए एक धनराशी जोडता है कई बार कर्ज लेकर भी विवाह करना पडता है ऐसे में यदि सामूहिक विवाह होतो आर्थिक बोझ नहीं होता और वह धनराशी भवष्यि के कार्यो के लिए आर्थिक सुदृडता प्रदान करती है।

बेटी, पर्यावरण बचाने की शपथ

महामंत्री निमेष पुरोहित ने बताया कि मंच से नए वरवधुवओं को मंगलकामनाएं देते हुए बेटी बचाव व बेटी पढा तथा पर्यावरण संरक्षण की शपथ नव दम्पितयों को दिलवाई। उन्होने कहा कि बेटी दो कुल को रोशन करती है ऐसे में बेटी को पढना बहुत जरूरी है। समाज में बेटी की शिक्षा के प्रति जागृति आई है।

समिति दिये उपहार, समाज से भी बढ़े हाथ

नागेश दाधीच व आशीष व्यास ने बताया कि ने बताया कि इस विवाह समारोह में वर-वधू को समिति व समाज की ओर से 51 से अधिक उपहार दिए गए। समिति ने चांदी की पायल एवं बिछिया, पलंग, गद्दा, तकिए, बेडशीट, ड्रेसिंग टेबल, बर्तन सेट, वर का सूट का कपडा एवं वधू का सेट, अलमारी , श्रृंगार सेट, बाजोट मोड, तुंरगी, गठजोड़, तोरण, छडी आयोजन समिति द्वारा प्रदान किए गए। समाज की ओर से भी नवदम्पतियो को मंगलकामानाओ के साथ पंखा, प्रेशर कुकर, कैसरोर, मिक्सर, पालय पानी कैम्पर, जूसर, कुकर, आयरन, बिछिया, स्टील की टंकी, वेजिटेबल चोपर, बेड शीट व साडी भेंट की गई है।

अवैध देशी शराब बेचते हुए एक आरोपी गिरफ्तार, 176 पव्वे जब्त

स्मार्ट हलचल | लाखेरी

के. पाटन कस्बे के रेल्वे स्टेशन समीप बुधवार को पुलिस ने अवैध देशी शराब बेचते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया। उपनिरीक्षक थानाधिकारी के. पाटन दिनेश शर्मा ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक राजेंद्र कुमार मीना के निर्देशन में अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के तहत बुधवार को रेल्वे स्टेशन के पास एक आरोपी को अवैध देशी शराब बेचते हुए 176 पव्वो व बिक्री के 4850 रुपए सहित गिरफ्तार किया। आरोपी रामावतार उर्फ रामभरोस मेघवाल निवासी कल्याणराय बस्ती के. पाटन को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया, एवं अग्रिम अनुसंधान जारी है। इस दौरान पुलिस टीम में उपनिरीक्षक थानाधिकारी दिनेश कुमार शर्मा, सहायक उपनिरीक्षक हजारी सिंह, कांस्टेबल कृष्ण कुमार, विजय, चालक सूर्य प्रकाश शामिल रहे।

कैथून में एएसआई बने पीरूमल व कांस्टेबल शिवराम को मिली पदोन्नति

स्मार्ट हलचल | कैथून

थाना में तैनात राजस्थान पुलिस में अपनी सादगी कर्तव्यनिष्ठा के लिए पहचाने जाने वाले पीरूमल मीणा व शिवराम को पदोन्नति मिली है। हेड कांस्टेबल पीरूमल मीणा व कास्टेबल शिवराम को अपने पद पर बेहतरीन सेवाए व कार्य के प्रति कर्तव्य निष्ठ रहने पर हेड कास्टेबल पीरूमल को एएएसआई पद व कास्टेबल शिवराम को हेडकांस्टेबल बनाया गया है।

पदोन्नति के इस अवसर पर सीआई मनोज सिकरवार द्वारा कंधों पर स्टार लगाकर उन्हें सम्मानित किया गया एवं बधाई दी,सीआई मनोज सिकरवार ने कहा कि ये पदौन्नति उनकी मेहनत व ईमानदारी का परिणाम है। समाजसेवी प्रदीप शर्मा के द्वारा भी पदौन्नति हुए एएसआई पीरूमल मीणा व हेडकांस्टेबल शिवराम पर माला व मुँह मीटा करवाकर सम्मान किया गया।

होली स्पेशल मुंबई सेंट्रल-वाराणसी-मुंबई सेंट्रल स्पेशल ट्रेन का संचालन

यह गाड़ी कोटा मंडल के कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी एवं भरतपुर स्टेशनों से होकर गुजरेगी

स्मार्ट हलचल | कोटा

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ जैन ने बताया कि गाड़ी संख्या 09183 (मुंबई सेंट्रल-वाराणसी एक्सप्रेस) का संचालन दिनांक 04, 11, 18, 25 मार्च-2026 बुधवार को कुल 04 फेरे के लिए किया जाएगा। यह ट्रेन निर्धारित तिथियों पर मुंबई सेंट्रल स्टेशन से 22.30 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन मार्ग में कोटा (12.10 बजे, अगले दिन), सवाई माधोपुर (13.38 बजे), गंगापुर सिटी (14.30 बजे) एवं भरतपुर (16.40 बजे) पर ठहरते हुए तीसरे दिन 10.30 बजे (शुक्रवार) वाराणसी पहुंचेगी।

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09184 (वाराणसी-मुंबई सेंट्रल एक्सप्रेस) का संचालन दिनांक 06, 13, 20, 27 मार्च-2026 शुक्रवार को कुल 04 फेरे के लिए किया जाएगा। यह ट्रेन वाराणसी स्टेशन से 14.30 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन मार्ग में भरतपुर (10.00 बजे, अगले दिन), गंगापुर सिटी (11.25 बजे), सवाई माधोपुर (12.18 बजे) एवं कोटा (13.40 बजे) पर ठहरते हुए तीसरे दिन 04.20 बजे (रविवार) मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी।

यह गाड़ी रास्ते में दोनों दिशाओं में मुंबई सेंट्रल, बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, वडोदरा जंक्शन, रतलाम जंक्शन, कोटा जंक्शन, सवाई माधोपुर जंक्शन, गंगापुर सिटी, भरतपुर जंक्शन, ईदगाह जंक्शन, टुंडला जंक्शन, शिकोहाबाद जंक्शन, मैनपुरी, भोंगांव, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ जंक्शन, रायबरेली जंक्शन, अमेठी, मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जंक्शन, जंघई जंक्शन, भदोही स्टेशनों पर ठहराव लेकर गंतव्य को जाएगी। यात्रियों से अपील है कि यात्रा से पूर्व गाड़ियों की स्थिति, समय एवं ठहराव की विस्तृत जानकारी के लिए रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in अथवा एनटीईएस मोबाइल ऐप का उपयोग करें।

68 गांवों पर मंडराया डूब का खतरा, विधानसभा में गूंजी ग्रामीणों की पीड़ा, जहाजपुर विधायक ने सरकार से मांगा वैकल्पिक जल प्रबंधन मॉडल

स्मार्ट हलचल

सावर (अजमेर)। बिसलपुर बांध की ऊंचाई बढ़ाने के संभावित सरकारी प्रस्ताव पर अब सियासी पारा चढ़ गया है। जहाजपुर विधायक गोपीचन्द मीणा ने विधानसभा में विशेष उल्लेख प्रस्ताव के माध्यम से 68 गांवों के संभावित विस्थापन का मुद्दा जोरदार ढंग से उठाते हुए सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया।

विधायक मीणा ने सदन में स्पष्ट कहा कि यदि बांध की ऊंचाई बढ़ाई जाती है तो केकड़ी, देवली-उनियारा और जहाजपुर विधानसभा क्षेत्र के करीब 50 से 60 गांव सीधे डूब क्षेत्र में आ जाएंगे। धुंवाला, जीरा, हथोडिया, बालापुरा, गणेशपुरा, मोतीपुरा, गांगीथला, मुंशीपुरा, देवपुरा, कासीर, नापाखेड़ा सहित कई गांवों के हजारों परिवारों पर बेघर होने का खतरा मंडरा रहा है।

'ऊंचाई नहीं, गहराई बढ़ाओ' - विधायक का सीधा सुझाव विधायक ने सरकार को स्पष्ट विकल्प सुझाया– बांध की ऊंचाई यथावत रखी जाए। वर्षों से जमा गाद (सिल्ट) को आधुनिक तकनीक से हटाया जाए। जल संरक्षण क्षमता बढ़ाने के लिए बांध की गहराई बढ़ाई जाए। उन्होंने कहा कि ऊंचाई बढ़ाने से कृषि भूमि, चरागाह और सामाजिक ढांचा पूरी तरह तहस-नहस हो जाएगा। हजारों परिवारों की आजीविका खत्म हो सकती है। ऐसे में सरकार को वैज्ञानिक और व्यवहारिक समाधान अपनाना चाहिए।

ब्राह्मणी नदी जोड़ने के प्रस्ताव का समर्थन

विधायक मीणा ने ब्राह्मणी नदी को बीसलपुर बांध से जोड़ने के प्रस्ताव का भी पुरजोर समर्थन किया। उनका तर्क है कि इससे बांध में पानी की निरंतर आवक बनी रहेगी और ऊंचाई बढ़ाने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

धरने पर डटे ग्रामीण

उल्लेखनीय है कि बांध की भराव क्षमता बढ़ाने के विरोध में राष्ट्रीय विस्थापित संघर्ष समिति पिछले करीब दो माह से देवली तहसील कार्यालय के बाहर धरना-प्रदर्शन कर रही है। ग्रामीणों का कहना है कि वे अपनी पैतृक जमीन और घर किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ेंगे।

सरकार के सामने बड़ी चुनौती

अब सवाल यह है कि क्या सरकार हजारों ग्रामीणों की आशंकाओं को नजरअंदाज कर बांध की ऊंचाई बढ़ाने का निर्णय लेगी, या फिर विधायक के सुझाए वैज्ञानिक विकल्पों पर गंभीरता से विचार करेगी? यह मुद्दा केवल जल प्रबंधन का नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के अस्तित्व, संस्कृति और भविष्य का है। आने वाले दिनों में सरकार का रुख तय करेगा कि विकास की धारा बहेगी या गांवों की बसावट डूबेगी।

धनगर गाडरी समाज को वंचित समाज सूची में जोड़ने की मांग

चित्तौड़गढ़। युका प्रदेश सचिव आशा गाडरी ने धनगर, गायरी, गाडरी समाज को राजस्थान विमुक्त घुमंतू एवं अर्ध घुमंतू जनजाति की सूची में जोड़ने की मांग उठाई। प्रदेश सचिव आशाराम गाडरी ने कहा कि अन्य राज्यों में धनगर जाति की सभी उपजातियों, धनगर, गायरी, गाडरी, गडरिया को जनजाती सूची में सम्मिलित कर रखा है, लेकिन राजस्थान सरकार में अभी तक इन्हें इस सूची में नहीं जोड़ा गया। कई बार समाज द्वारा ज्ञापन दिया गया लेकिन मांगे पूरी नहीं हुई। आशाराम गाडरी ने कहा कि कांग्रेस एवं युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता पुनः मांग कर रहे हैं। मांगें नहीं माने जाने पर जिले एवं पूरे प्रदेश में उग्र प्रदर्शन की चेतावनी भी दी गई।

दो क्विंटल प्रतिबंधित प्लास्टिक सामग्री जब्त

चित्तौड़गढ़। जिला कलक्टर आलोक रंजन के निर्देशानुसार नगर परिषद के प्रशासक कैलाश गुर्जर तथा आयुक्त कृष्णगोपाल माली के मार्गदर्शन में सिंगल यूज़ प्लास्टिक के विरुद्ध शहर में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत कृषि मंडी क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए लगभग 2 क्विंटल प्रतिबंधित प्लास्टिक सामग्री जब्त की गई तथा संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध 3000 का चालान किया गया। कार्रवाई के दौरान मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक सूरज घावरी, स्वास्थ्य निरीक्षक बालमुकुंद घारू एवं सत्यनारायण बेनीवाल उपस्थित रहे। साथ ही अतिक्रमण टीम एवं सफाई कार्मिक भी मौके पर मौजूद रहे। अधिकारियों द्वारा व्यापारियों को सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने तथा निर्धारित नियमों की पालना सुनिश्चित करने हेतु समझाइश दी गई। भविष्य में उल्लंघन पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई।

हादसे में दो मासूम बच्चों की मौत एक महिला गंभीर घायल

स्मार्ट हलचल | टोंक

गोल डूंगरी टोंक निवासी मासूम बच्चा कुलदीप पिता राम किशोर कीर व दिलखुश पिता पप्पू लाल कीर की मृत्यु होने पर कहार कीर-केवट-कश्यप-मेहरा स्वजातीय समाज विकास मंच के प्रदेशाध्यक्ष व लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के निजी सचिव हरिनंद कहार ने उनके निजी आवास पर पहुच कर गहरा शोक व्यक्त किया है और परिवार को ढाढस बंधाया और इस दुख की घड़ी को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की गई इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष हरिनंद कहार ने अधिक से अधिक सहायता दिलाने की बात टोंक जिला कलेक्टर श्रीमती कल्पना अग्रवाल से फोन पर की।

सआदत अस्पताल में भर्ती

गंभीर रूप से घायल अनिता पति राजेन्द्र कीर व दो अन्य घायल बच्चियों व उनके परिजनों से मुलाकात की और सआदत अस्पताल के चिकित्सा प्रभारी डॉ हनुमान प्रसाद बैरवा से घायलों के इलाज की जानकारी ली और इलाज में कोताही नहीं बरतने के निर्दय दिए

इस अवसर पर मंच के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष फूलचंद कहार एडवोकेट, महर्षि कश्यप स्नातकोत्तर महाविद्यालय दूनी के निदेशक डॉ नरेन्द्र मेहरा एडवोकेट, टोंक नगर परिषद के एक्टिव पार्षद मुकेश कश्यप,कोटा जिलाध्यक्ष हरिमोहन कहार, प्रदेश प्रचार-प्रसार मंत्री राजेन्द्र कहार,उप सरपंच छोटूलाल कीर, कोषाध्यक्ष चेतन मलिया, देवकीनंदन कहार, दिनेश राणा, नाथूलाल, राम प्रसाद, जगदीश, आकाश, आदि मोजूद थे

इससे पूर्व सुखवीर सिंह जोनापुरिया पूर्व सांसद, पूर्व विधायक अजीत सिंह मेहता, टोंक जिलाध्यक्ष चन्द्रवीर सिंह चौहान ने भी मृतकों के निजी आवास पर पहुच कर गहरा शोक व्यक्त किया है और परिवार को ढाढस बंधाया

इस दुर्घटना पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, टोंक सासंद हरिश मीणा, टोंक विधायक सचिन पायलट, टोंक जिलाध्यक्ष सऊद सईदी ने भी शोक संदेश भेज कर शोक व्यक्त किया है।

रमज़ान का पवित्र महीना शुरू, पहली सहरी के साथ शुरू हुए रोज़े

स्मार्ट हलचल

हिंडौन। इबादत का महीना रमज़ान के पहले रोजे पर मुस्लिम समुदाय में उत्साह और उमंग देखने को मिला। सुबह से ही लोग सहरी के लिए तैयारियों में जुट गए और रोजा रखा। पहले रोजे के साथ ही लोगों ने अमन, चैन और भाईचारे की दुआएं मांगी।

शहर की मस्जिदों में मुस्लिम समुदाय के लोग नमाज अदा कर इबादत करते नजर आए अल्लाह से अपने गुनाहों की माफी मांगी और देश में अमन चैन की दुआएं की। बड़ों के साथ नन्हे बच्चों ने भी रोजे रखे

मुस्लिम महासभा के प्रदेश मीडिया प्रभारी अजीम खान चिनायटा ने बताया कि पहला रोजा रखना एक बहुत ही खास अनुभव है। हम अल्लाह से अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं और देश में अमन और चैन की दुआएं करते हैं।

जिलाध्यक्ष भानु प्रताप के निर्देश पर फसलों का लिया जायजा

स्मार्ट हलचल

कोटा। आज देहात जिला अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह जी के निर्देशानुसार तहसील दीगोद जिला कोटा राजस्थान ,अनिरुद्ध मीणा कार्यकारी ब्लॉक अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी सिमलिया द्वारा दर्जनों गांव का सर्वे किया गया जिसमें कल ओलावृष्टि से गेहूं सरसों चना धनिया आदि। कई किसानों की फसले नष्ट हो गई सरकार से अनुरोध करते हैं कि तहसील दीगोद के सभी किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए । किसानो की हालत बहुत ही खराब है सरकार से अनुरोध करते हैं कि किसानों का कर्ज माफ किया जाए एवं किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए अनिरुद्ध मीना कार्यकारी ब्लॉक अध्यक्ष सीमलिया, हेमराज मीणा इकाई अध्यक्ष देवपुरा पंचायत ,जवाहरलाल सेन तेजकरण मीणा, रघुनंदन ,लकी ,रामलाल मीणा, विनोद, मुकेश मीणा, हनुमान बैरागी, केशव सेन ,हरिशंकर कहार कृषि विशेषज्ञ आदि उपस्थित थे!

'वर्धमान' ग्रुप ने गौ-सेवा के साथ दिया जीव-दया का संदेश; नन्हीं युवी के सेवा भाव ने जीता सबका दिल

सामाजिक सरोकारों की निरंतरता का संकल्प: 8 मार्च को 'वर्धमान' मनाएगा भव्य महिला उत्सव

स्मार्ट हलचल | कोटा

समाज में करुणा, दया और सेवा के मूल्यों को सुदृढ़ करने के संकल्प के साथ दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप 'वर्धमान ', कोटा द्वारा दादाबाड़ी स्थित संत सुधा सागर गौ-शाला में एक गौ-सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के सदस्यों ने न केवल गौ-वंश की सेवा की, बल्कि समाज को जीव-दया के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित भी किया।

नन्हीं युवी बनीं आकर्षण का केंद्र:

कार्यक्रम में सबसे प्रेरक दृश्य तब देखने को मिला जब डेढ़ वर्षीय नन्हीं बालिका 'युवी' ने बड़े उत्साह के साथ गायों को चारा खिलाया। नन्हीं युवी की इस मासूम सेवा भावना ने उपस्थित सभी जनों का मन मोह लिया। वरिष्ठ सदस्यों ने इसकी सराहना करते हुए कहा कि संस्कारों की नींव बचपन से ही पड़नी चाहिए और युवी ने आज नई पीढ़ी के लिए एक सुंदर मिसाल पेश की है।

मार्गदर्शकों का सानिध्य:

समारोह का शुभारंभ मार्गदर्शकों के गरिमामयी सानिध्य में हुआ। इसमें नसिया जी के निर्देशक हुकुम काका, नसिया जी की प्रशासनिक मंत्री एवं गर्ल्स हॉस्टल अध्यक्ष श्रीमती रानी जैन सर्राफ तथा रीजन अध्यक्ष श्री अनिल जैन ठोरा ने शिरकत की। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि 'वर्धमान' ग्रुप सदैव सेवा कार्यों में अग्रणी रहता है और गौ-सेवा से बड़ा कोई पुण्य नहीं है।

ग्रुप की अध्यक्ष सीमा अरविन्द बागड़िया ने इस अवसर पर भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप 'वर्धमान' केवल धार्मिक आयोजनों तक सीमित नहीं है। ग्रुप द्वारा आगामी समय में भी इसी प्रकार के सामाजिक सरोकारों, जीव-दया और जन-कल्याणकारी कार्यों को निरंतर जारी रखने का सामूहिक संकल्प लिया गया है। उन्होंने कहा कि मानव सेवा और जीव-दया ही हमारे ग्रुप का मुख्य ध्येय है।

पुण्यार्जक एवं आयोजन:

कार्यक्रम के पुण्यार्जक बनने का सौभाग्य श्रीमती मैना - श्री राजकुमार दुगैरिया एवं एक अन्य गुप्त दम्पत्ति सदस्य को प्राप्त हुआ। गौ-सेवा के पश्चात आयोजित सामूहिक अल्पाहार में सभी सदस्यों ने आत्मीयता के साथ भाग लिया, जिससे ग्रुप के पारिवारिक संबंधों में और प्रगाढ़ता आई।

8 मार्च को होगा 'नारी शक्ति' का शंखनाद:

सचिव श्वेता जैन ने आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा साझा करते हुए बताया कि कार्यक्रम के दौरान महिला कार्यकारिणी ने एक स्वर में 8 मार्च (अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस) पर एक विशेष आयोजन का प्रस्ताव रखा। इस पर निर्णय लिया गया कि रविवार, 8 मार्च को ग्रुप की महिलाओं के लिए एक यादगार और भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। श्वेता जैन ने अंत में सभी का आभार व्यक्त करते हुए सभी दम्पत्ति सदस्यों से भविष्य के आयोजनों में इसी प्रकार सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह किया। इस अवसर पर ग्रुप की कार्यकारिणी के सदस्य एवं बड़ी संख्या में दम्पत्ति सदस्य उपस्थित रहे।

प्यार का अनोखा रंग: नागौर के रियांबड़ी गांव में दुल्हन बनकर आया प्रेम, और खुली समाज की परतें

स्मार्ट हलचल

मेड़ता रोड। नागौर जिले के छोटे से गांव रियांबड़ी में प्रेम की एक ऐसी कहानी सामने आई जिसने रेगिस्तानी सन्नाटे को सवालों और सरगोशियों से भर दिया। यह कहानी सिर्फ दो दिलों की नहीं, बल्कि उन सामाजिक दीवारों की भी है जिन्हें लांघने की हिम्मत हर किसी में नहीं होती।

दोस्ती से शुरू हुई दास्तान, इश्क़ में ढला रिश्ता

कहानी की शुरुआत साधारण थी–दो युवकों की दोस्ती। खेतों की पगडंडियों, गांव की चौपाल और रोजमर्रा की मुलाकातों के बीच यह दोस्ती धीरे-धीरे गहरी होती गई। वक्त के साथ एहसास बदले, नज़रों में अपनापन उतरा और रिश्ते ने प्रेम का रूप ले लिया। लेकिन यह प्रेम आसान नहीं था। समाज की निगाहें, परिवार की उम्मीदें और परंपराओं की बेड़ियां–सब उनके रास्ते में खड़ी थीं। फिर भी दोनों ने साथ जीने-मरने की कसमें खाईं और एक ऐसा फैसला लिया जिसने पूरे गांव को चौंका दिया।

जब प्रेम ने ओढ़ा दुल्हन का लिबास

परिवार दहेज और शादी के भारी खर्चों को लेकर चिंतित था। ऐसे में अचानक 'बिना खर्च की दुल्हन' का प्रस्ताव आया तो घरवालों ने राहत की सांस ली। रस्में निभाई गईं, मिठाइयां बंटी, ढोल बजे–और लाल जोड़े में सजी एक दुल्हन ने घर में प्रवेश किया।साड़ी, चूड़ियां, बिंदी, घूंघट और बदली हुई आवाज–सब इतना स्वाभाविक था कि किसी को शक

तक नहीं हुआ। सुबह की पहली किरण के साथ वह उठती, आंगन बुहारती, रोटियां बेलती, सास-ससुर के पैर छूती। गांव की औरतें कहतीं– 'नई बहू तो बड़ी सुशील और संस्कारी है। ' सामाजिक कार्यक्रमों में 'पति' संग मुस्कुराते हुए डांस, सोशल मीडिया पर रील्स, और हर पल साथ निभाने का वादा–प्रेम जैसे खुले आकाश में सांस ले रहा था।

शक की सुई और सच का उजागर होना

लेकिन गांव की पैनी नजरें कब तक अनदेखा करतीं? कुछ महिलाओं को हाव-भाव में हल्का अंतर महसूस हुआ। धीरे-धीरे कानाफूसी बढ़ी, और एक दिन सच्चाई सामने आ गई–कथित दुल्हन दरअसल एक युवक था, जिसने प्रेम के लिए अपना रूप बदला था। सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची और दोनों को थाने ले जाकर पूछताछ की। चूंकि मामला आपसी सहमति का बताया जा रहा है और किसी पक्ष ने औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई, इसलिए कानूनी कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट नहीं है।

सवाल जो समाज से जवाब मांगते हैं

यह घटना सिर्फ एक प्रेम कहानी नहीं, बल्कि कई गहरे सवाल भी छोड़ गई– क्या प्रेम की पहचान लिंग से तय होती है? क्या ग्रामीण समाज में समलैंगिक रिश्तों के लिए स्वीकार्यता की जगह बन पाएगी? या सामाजिक दबाव ऐसे रिश्तों को छुपकर जीने पर मजबूर करता रहेगा?

प्रेम, साहस और छल— तीनों का संगम

इस कहानी में एक ओर प्रेम की बेखौफ उड़ान है, तो दूसरी ओर पहचान छुपाने की मजबूरी। यह घटना जहां दिलों को छूती है, वहीं सोचने पर भी मजबूर करती है कि आखिर क्यों किसी को अपने प्यार के लिए दुल्हन का वेश धारण करना पड़े? नागौर की यह दास्तान अब गांव की चौपाल से लेकर सोशल मीडिया तक चर्चा में है–किसी के लिए यह साहसिक प्रेम है, तो किसी के लिए सामाजिक मर्यादाओं के खिलाफ कदम पर एक बात तय है–रेगिस्तान की इस कहानी ने यह साबित कर दिया कि प्यार सचमुच अनोखे रंगों में रंगा होता है।

70वें रेल सप्ताह में वाराणसी मंडल की दमदार

दस्तक: 8 शील्ड और 11 रेलकर्मी सम्मानित

स्मार्ट हलचल | यूपी

वाराणसी। मेहनत जब पटरियों पर दौड़ती है तो उसका सम्मान भी मंच पर गूंजता है। 19 फरवरी 2026 को गोरखपुर रेलवे प्रेक्षागृह में आयोजित भारतीय रेल के 70वें रेल सप्ताह पुरस्कार समारोह में वाराणसी मंडल ने अपनी कार्यकुशलता का परचम लहराते हुए 8 कार्यकुशलता शील्ड और 11 रेलकर्मियों के लिए विशिष्ट सेवा पुरस्कार हासिल कर इतिहास रच दिया। महाप्रबंधक उदय बोरवणकर ने वर्ष 2024-25 में संरक्षा, सुरक्षा, समयपालन, दुर्घटना निवारण, राजस्व वृद्धि और आधारभूत संरचना विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए मंडल को सम्मानित किया। अंतर्मंडलीय चिकित्सा, सुरक्षा, विद्युत, दूरसंचार और जनसंपर्क कार्यकुशलता शील्ड के साथ सर्वांगीण कार्यकुशलता की पांच प्रमुख शील्ड भी वाराणसी मंडल के खाते में गईं। वाराणसी सिटी रेलवे स्टेशन को 'बी' श्रेणी में सर्वोत्तम स्वच्छ स्टेशन ट्रॉफी (द्वितीय) मिली, जबकि शिवगंगा एक्सप्रेस को सर्वाधिक व्यवस्थित एवं साफ-सुथरा रेक घोषित किया गया और भटनी को सर्वोत्तम व्यवस्थित रनिंग रूम शील्ड से नवाजा गया। मंडल रेल प्रबंधक आशीष जैन ने शाखाधिकारियों के साथ ये सम्मान ग्रहण किए। व्यक्तिगत पुरस्कार पाने वालों में वरिष्ठ मंडल इंजीनियर-तृतीय अनुज कुमार वर्मा, सहायक वाणिज्य प्रबंधक धनंजय कुमार सिंह, सीनियर सेक्शन इंजीनियर रेलपथ अवधेश कुमार सिंह, ट्रैक मेंटेनर-ढ्ढङ्क अविनाश कुमार पटेल, जूनियर इंजीनियर आर.के. वर्मा (कैरेज एंड वैगन), वरिष्ठ तकनीशियन काशीनाथ यादव, सीनियर सेक्शन इंजीनियर (सिग्नल) मुनेन्द्र कुमार पाण्डेय, ईएसएम-ढ्ढढ्ढ शशिकांत प्रसाद, सीनियर सेक्शन इंजीनियर (विद्युत) नविन कुमार सिंह, वरिष्ठ अनुभाग अधिकारी (लेखा) रिंकू श्रीवास्तव तथा सहायक डिपो/स्टोर खलासी दीपिका श्रीवास्तव शामिल रहे।

समारोह में तालियों की गड़गड़ाहट के बीच वाराणसी मंडल की उपलब्धियों की खुलकर सराहना हुई और यह संदेश गया कि पटरियों पर दिन-रात पसीना बहाने वाली टीम ही सफलता की असली हकदार होती है। जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि यह उपलब्धि सामूहिक समर्पण और उत्कृष्ट कार्यसंस्कृति का परिणाम है, जिसने 70वें रेल सप्ताह को वाराणसी मंडल के लिए यादगार बना दिया।

किसान भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़-विजयपाल मिर्धा

पूर्व विधायक मिर्धा ने गांवों का दौरा सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

स्मार्ट हलचल|हरसौर

गुरुवार को पूर्व विधायक विजयपाल मिर्धा ने ग्राम मुंडेलपुरा, लूनियास, गुलाबपुरा, भेरूंदा सहित आसपास के गांवों का दौरा कर लोगों की समस्याएं सुनी। ग्रामीणों ने पूर्व विधायक मिर्धा एवं भाजपा नेता हुक्माराम बाजियां का साफा एवं माला पहनाकर अभिनंदन किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक मिर्धा ने कहा कि किसान भारतीय अर्थव्यवस्था की मुख्य रीढ़ है। किसानों के कल्याण एवं उत्थान के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। गांव, गरीब एवं किसानों की समस्याएं हमेशा प्राथमिकता में रही है। पूर्व विधायक ने क्षेत्र में आयोजित कई कार्यक्रमों में शिरकत भी की। इस दौरान भाजपा नेता हुक्माराम बाजियां, हनुमान बांगड़ा, बुधाराम मुंडेल, इकबाल ठेकेदार, रहमान मोरजाल, डॉ दिलदार खान, सलीम मौलाना, मजीत कमांडो, सावंताराम चोपड़ा, रामनिवास लेगा सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

ईयू ने भारत में खोला पहला 'मोबिलिटी ऑफिस', डॉ. जयशंकर ने किया उद्घाटन

स्मार्ट हलचल|नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने 18 फरवरी को यहां भारत में यूरोपियन लीगल गेटवे ऑफिस का शुभारंभ किया। विदेश मंत्री ने नई दिल्ली में देश के पहले यूरोपीय लीगल गेटवे कार्यालय का उद्घाटन यूरोपीय आयोग की तकनीकी संप्रभुता, सुरक्षा और लोकतंत्र मामलों की कार्यकारी उपाध्यक्ष हेन्ना विर्ककुनेन और अंतरराष्ट्रीय प्रवासन नीति विकास केंद्र की महानिदेशक सुज़ैन राब की उपस्थिति में किया। इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. जयशंकर ने कहा कि यह पहल भारत-यूरोपीय संघ की रणनीतिक साझेदारी की बढ़ती गहराई, विश्वास और परिपक्वता को दर्शाती है।

विदेश मंत्रालय के एक बयान के अनुसार लॉन्चिंग के मौके पर डॉ. जयशंकर ने कहा भारत-ईयू साझेदारी न केवल साझा मूल्यों के कारण आशाजनक है, बल्कि आज स्वाभाविक और पसंदीदा साझेदार

के रूप में भी है, जिसमें पहले से कहीं अधिक रणनीतिक तालमेल है। भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए वार्ता का समापन, सुरक्षा और रक्षा साझेदारी पर हस्ताक्षर और 16वें भारत-ईयू शिखर सम्मेलन के अन्य ठोस परिणामों ने एक साझा भविष्य के लिए एक रोडमैप प्रस्तुत किया है।

उन्होंने कहा कि शिखर सम्मेलन में 'टुवर्ड्स 2030: ए जॉइंट इंडिया-यूरोपियन यूनियन कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रैटेजिक एजेंडा' को अपनाने से वास्तव में एक नया अध्याय खुल गया है। डॉ. जयशंकर ने कहा कि अब शिखर सम्मेलन में हस्ताक्षरित गतिशीलता पर सहयोग के लिए व्यापक ढांचा और इस लीगल गेटवे कार्यालय की स्थापना, व्यापक समझ को ठोस कार्रवाई में बदलने वाली है।

विदेश मंत्री ने कहा दुनिया की सबसे युवा आबादी वाले देशों में से एक, तेजी से विकसित हो रहे कौशल आधार और डिजिटल, वैज्ञानिक तथा उभरती प्रौद्योगिकियों में मजबूत क्षमताओं के साथ, भारत वैश्विक प्रतिभा भंडार में एक प्रमुख योगदानकर्ता बनता जा रहा है। भारत की हालिया अंतरराष्ट्रीय भागीदारी इस दृढ़ विश्वास को दर्शाती है कि वैश्विक चुनौतियों के लिए जुड़े हुए समाजों और सहयोगात्मक समाधानों की आवश्यकता है।

बता दें कि ईयू ने दोनों पक्षों के बीच कानूनी और रणनीतिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए यह कार्यालय खोला है। यह सूचना और संचार प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भारत से ईयू के 27 सदस्य देशों में सुरक्षित प्रवासन और गतिशीलता को सुविधाजनक बनाएगा। यह ईयू के सभी देशों में आवागमन के विभिन्न रास्तों और उनसे संबंधित विभिन्न कौशल एवं योग्यता आवश्यकताओं के बारे में स्पष्ट और विश्वसनीय जानकारी प्रदान करके भारतीय छात्रों, शोधकर्ताओं और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी क्षेत्र के पेशेवरों का समर्थन करेगा।

आमजन दे सकेंगें अवैध मादक पदार्थों की सूचना

चित्तौड़गढ़। मादक पदार्थों के विरुद्ध महानिरीक्षक पुलिस उदयपुर रेंज द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन त्रिनेत्र का उद्देश्य समाज में नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी रोक लगाना तथा आमजन की सहभागिता सुनिश्चित करना है।

पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी द्वारा इस अभियान के अंतर्गत नागरिकों से मादक पदार्थों के परिवहन, भंडारण या बिक्री, इसमें संलिप्त व्यक्ति या गिरोह के संबंध में सूचना देने के लिए Narco Tip Helpline नम्बर 9460425643 जारी किया है। इस नम्बर पर प्राप्त होने वाली प्रत्येक सूचना को पूर्णतः गोपनीय रखा जाएगा तथा संबंधित सूचना पर पुलिस द्वारा त्वरित एवं विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। एसपी ने बताया कि यह अभियान समाज को नशामुक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें जनसहभागिता अत्यंत आवश्यक है।

रमज़ान की चांद रात पर उमड़े जायरीन

कपासन। प्रख्यात सूफी संत हज़रत दीवाना शाह रअ की दरगाह शरीफ पर बुधवार को रमज़ान माह की चाँद रात पर जायरीन उमड़ पड़े।

दरगाह ऑफिस सैक्रेट्री शफी मोहम्मद छीपा के अनुसार बुधवार को दिन-भर आशिके दीवाना का आना-जाना लगा रहा। आस्ताना ऐ आलिया में स्थित मुख्य मज़ार पर चादर, फूल, अगरबत्ती, इत्र पेश करने के लिये लम्बी-लम्बी कतारें लगी। इसके साथ ही आहाता ए नूर मे महफिले मिलाद व महफिले समा का कार्यक्रम दिन-भर चलता रहा। इस मौके पर मेला ग्राऊण्ड मे 250 से ऊपर अस्थाई दुकानें लगाई गई। दरगाह कमेटी की ओर से जायरिनो की व्यवस्था हेतु 30 सिक्यूरिटी गार्ड तैनात किए गए। दरगाह शरीफ की औलिया मस्जिद में मोलाना हाफिजो कारी मोहम्मद शाकीर की ईमामत में सैंकड़ों लोगो ने तरावीह की नमाज अदा की और रोजेदारो के लिए सुबह सहरी का इंतजाम किया गया। चांद देखने के समय शाम को मुल्क मे अमनो सुकून की दुआ की गई।

मार्च तक हर हाल में पूरा हो महिला छात्रावास: सचिव

उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय में निर्माण कार्यों का निरीक्षण, विकास कार्यों की समीक्षा

स्मार्ट हलचल

हरिद्वार। संस्कृत शिक्षा सचिव दीपक कुमार ने गुरुवार को उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय पहुंचकर परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों और शैक्षणिक व्यवस्थाओं का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध ढंग से कार्य पूर्ण करने के स्पष्ट निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान सचिव ने निर्माणाधीन महिला छात्रावास का विशेष रूप से जायजा लिया। उन्होंने संबंधित कार्यदायी संस्था और अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी स्थिति में मार्च माह तक छात्रावास का निर्माण कार्य पूरा कराया जाए, ताकि आगामी शैक्षणिक सत्र से छात्राओं को परिसर में सुरक्षित और सुव्यवस्थित आवास की सुविधा उपलब्ध हो सके। उन्होंने

कहा कि छात्राओं की सुरक्षा, सुविधा और गरिमा से जुड़ी परियोजनाओं में किसी भी प्रकार की देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। सचिव ने परीक्षा भवन, विश्वविद्यालय आवास और कर्मचारियों के लिए बनाए जा रहे आवासीय भवनों की प्रगति की भी जानकारी ली। उन्होंने निर्माण की गुणवत्ता, समयसीमा और वित्तीय प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। साथ ही यह भी कहा कि विकास कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमाकांत पांडेय ने सचिव को विश्वविद्यालय में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों, नए पाठ्यक्रमों, शोध कार्यों तथा भविष्य की विकास योजनाओं के बारे में विस्तार से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय संस्कृत शिक्षा के प्रसार और शोध को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है तथा आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं प्रगति पर हैं।

इस अवसर पर कुलसचिव दिनेश कुमार, उत्तराखंड संस्कृत अकादमी के सचिव प्रो. मनोज किशोर पंत, प्रो. लक्ष्मी नारायण जोशी सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सचिव को आश्वस्त किया कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण किए जाएंगे।

पुरुस्कार वितरण के साथ निर्वाचन साक्षरता मेले का समापन

कपासन। जिला निर्वाचन अधिकारी के आदेशानुसार एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी एसडीएम के मार्ग निर्देशन में आरएनटी कॉलेज में निर्वाचन साक्षरता मेले का समापन रंगोली प्रतियोगिता एवं पुरूस्कार वितरण समारोह के साथ सम्पन्न हुआ।

नोडल अधिकारी एवं उपाचार्य डॉ. ओपी सुखवाल ने बताया कि प्रातःकालीन सत्र में सहायक आचार्य मेघा चतुर्वेदी के नेतृत्व में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम स्थान पर खुशबू, जान्हवी व यशोदा सुमन ग्रुप रहे। जबकि द्वितीय स्थान पर पिंकी आरोही एवं दिव्या कुमकुम, तृतीय स्थान हर्षिता कीर्ति व पूर्वाशी खुशी ग्रुप ने प्राप्त किया। निर्णायकों की भूमिका में कृषि डीन प्रो. एलके दशोरा, डॉ. रामसिंह चुण्डावत, प्रो. एसएल मूंदड़ा, डॉ. सुरेश राजोरिया, मेघा चतुर्वेदी एवं एनएसएस प्रभारी हीरालाल अहीर रहे। अपरान्ह बाद पुरूस्कार वितरण समारोह का आयोजन अकादमिक निदेशक शिवनारायण शर्मा की अध्यक्षता तथा एडमिन डायरेक्टर कृष्णा चाष्टा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। जिसमें सभी विजेता प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर पुरूस्कृत किया गया। समारोह का समापन मतदान शपथ एवं राष्ट्रगान के साथ सम्पन्न हुआ। समारोह का संचालन डॉ. मोनिका जैन ने किया।

इंडियन पोटाश लिमिटेड को अंतरराष्ट्रीय सीमा शुल्क दिवस 2026 पर कांडला और विशाखापत्तनम बंदरगाह पर सम्मान

स्मार्ट हलचल|नई दिल्ली

उर्वरक क्षेत्र की प्रमुख कंपनी इंडियन पोटाश लिमिटेड (आईपीएल) को अंतरराष्ट्रीय सीमा शुल्क दिवस 2026 के अवसर पर कांडला बंदरगाह और विशाखापत्तनम बंदरगाह पर उत्कृष्ट आयात प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया है। आईपीएल को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए गुजरात के कांडला बंदरगाह पर 'टॉप इम्पोर्टर' का पुरस्कार दिया गया। साथ ही, आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम बंदरगाह पर वर्ष 2025 में 'इम्पोर्टर (पीएसयू)' श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों में शामिल होने पर भारत सरकार के सीमा शुल्क विभाग द्वारा प्रशंसा प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया।

'टॉप इम्पोर्टर' पुरस्कार 15 फरवरी 2026 को गांधिधाम स्थित इफको ऑडिटोरियम में आयोजित

समारोह में दिया गया। यह पुरस्कार कांडला के सीमा शुल्क आयुक्त श्री नितिन सैनी ने मुख्य अतिथि पद्मश्री सम्मानित श्री नारायण जोशी (कच्छ) की उपस्थिति में प्रदान किया। आईपीएल की ओर से गुजरात (कच्छ) के सेल्स ऑफिसर श्री जतिन शाह ने यह पुरस्कार प्राप्त किया। विशाखापत्तनम में आईपीएल को जो प्रशंसा प्रमाण पत्र मिला, वह पीएसयू क्षेत्र में सबसे अधिक आयात करने वाले संगठनों में शामिल होने की मान्यता है। यह समारोह 16 फरवरी 2026 को सागरमाला कन्वेंशन हॉल, सालाग्रामपुरम में आयोजित हुआ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. शंखब्रत बागची, आईपीएस, पुलिस आयुक्त, विशाखापत्तनम ने प्रमाण पत्र प्रदान किया। आईपीएल की ओर से पोर्ट ऑपरेशंस की डिप्टी मैनेजर सुश्री अस्तकामा सारंगी ने इसे प्राप्त किया। ये सम्मान आईपीएल की कार्यकुशलता, नियमों के पालन और पारदर्शी व्यापार पद्धतियों के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। ये पुरस्कार इस बात का प्रमाण हैं कि कंपनी बड़े स्तर पर आयात कार्यों को सुचारु रूप से संचालित करने में सक्षम है और उच्च प्रशासनिक मानकों का पालन करती है। इन दोहरे सम्मानों से आईपीएल की एक जिम्मेदार और प्रदर्शन-आधारित संगठन के रूप में पहचान और मजबूत हुई है, जो भारत की कृषि आपूर्ति श्रृंखला और व्यापार व्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

इस सम्मान पर प्रतिक्रिया देते हुए आईपीएल के प्रबंध निदेशक डॉ. पी.एस. गहलौत ने कहा: 'ये सम्मान हमारे आयात कार्यों में उत्कृष्टता, नियमों के पालन और विश्वसनीयता पर हमारे मजबूत फोकस को दर्शाते हैं। यह देशभर के बंदरगाहों और लॉजिस्टिक्स केंद्रों पर काम कर रही हमारी टीम की मेहनत का परिणाम है। हम पारदर्शी व्यापार पद्धतियों को मजबूत करने और भारत की कृषि आपूर्ति श्रृंखला को समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। '

इंडियन पोटाश लिमिटेड (आईपीएल) के बारे में:

1955 में स्थापित, आईपीएल भारत की प्रमुख उर्वरक कंपनियों में से एक है। कंपनी संतुलित और टिकाऊ पोषक तत्वों के उपयोग को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान देती है। आईपीएल पोटाश, डीएपी और अन्य फसल पोषक तत्वों के आयात, वितरण और विपणन का कार्य देशभर में अपने विस्तृत नेटवर्क के माध्यम से करती है। उर्वरकों के अलावा, कंपनी ने चीनी मिल, डिस्टिलरी प्लांट, पशु आहार निर्माण, डेयरी संचालन और ग्रामीण वेयरहाउसिंग जैसे कृषि से जुड़े अन्य व्यवसायों में भी विस्तार किया है। किसान प्रशिक्षण कार्यक्रमों, अनुसंधान सहयोग और तकनीकी साझेदारियों के माध्यम से आईपीएल भारतीय किसानों की उत्पादकता और आय बढ़ाने में निरंतर सहयोग कर रही है।

नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों के नामांकन की प्रक्रिया प्रारम्भ

चित्तौड़गढ़। जिले में नागरिक सुरक्षा हेतु स्वयंसेवकों के नामांकन की प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गई है। इच्छुक अभ्यर्थी 27 फरवरी तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र अपने मूल निवास के उपखण्ड अधिकारी कार्यालय में जमा करवा सकते हैं। इस नामांकन प्रक्रिया के अंतर्गत जिले के विभिन्न उपखण्डों में नागरिक सुरक्षा से संबंधित विभिन्न श्रेणियों जैसे तैराक, गोताखोर, वाहन चालक, फायरमैन, आईटीआई, डिप्लोमा धारक, आरएससीआईटी (कम्प्यूटर कोर्स) उत्तीर्ण, एक्स सर्विसमैन, स्काउट-गाइड, एनसीसी, एनएसएस एनवाईके, आपदा मित्र, ग्राम मित्र एवं सरकारी कर्मचारियों के लिए रिक्तियां निर्धारित की गई हैं। जिले के चित्तौड़गढ़ उपखण्ड में कुल 100 रिक्तियां तथा निम्बाहेड़ा, भदेसर, गंगरार, बेगूं, कपासन, राशमी, डूंगला, बड़ीसादड़ी, भूपालसागर एवं रावतभाटा उपखण्डों में 40-40 रिक्तियां निर्धारित की गई हैं।

इन देशों में सुरक्षा की नहीं होगी चिंता, बेफिक्र होकर बनाएं घूमने का प्लान

कई लोग विदेश घूमने की इच्छा रखते हैं। विदेश घूमने के लिहाज से अधिकतर देश शानदार हैं। हालांकि विदेशों की खूबसूरती किसी भी टूरिस्ट के मन को आसानी से भा सकती है। लेकिन जब भी विदेश घूमने की बात आती है तो सबसे पहले हमारे दिमाग में यह आता है कि क्या वह जगह सुरक्षा के लिहाज से सही है। क्योंकि सेफ्टी हमारी फर्स्ट प्रायॉरिटी होती है। आज इस आर्टिकल के माध्यम से हम आपको कुछ ऐसे देशों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आपको सुरक्षा की चिंता करने की जरूरत नहीं होगी। आइए जानते हैं कि वह कौन-कौन से देश हैं, जहां पर आप बेफिक्र होकर घूम सकते हैं।

आइसलैंड

आइसलैंड की आबादी 3,72,295 है। ग्लोबल पीस इंडेक्स के अनुसार, यह दुनिया का सबसे सुरक्षित देश हैं। बता दें कि यहां पर क्राइम रेट काफी कम है। इसके साथ ही यह हाई-सिक्योरिटी वाला देश भी है। सभी तरह के अपराधों के प्रति यहां के नागरिकों का एक मजबूत सामाजिक दृष्टिकोण है। यह देश धार्मिक स्वतंत्रता देने के साथ ही महिलाओम और पुरुषों को समान अधिकार देता है। अगर आप भी विदेश घूमने का प्लान बना रहे हैं तो आइसलैंड सुरक्षित देश है।

न्यूजीलैंड

आपको बता दें कि न्यूजीलैंड की जनसंख्या 5,124,100 के आसपास है। यह देश भी घूमने और रहने के लिहाज से सुरक्षित है। यहां पर आप बेफिक्र होकर घूम सकते हैं। न्यूजीलैंड का भी क्राइम रेट कम है। हालांकि साल 2019 में क्राइस्टचर्च की दो मस्जिदों पर हुए आतंकवादी हमले के कारण यहां का क्राइम स्कोर थोड़ा कम हो गया है। यह पर आप सुरक्षा का अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि न्यूजीलैंड में शांति वाले इलाके में पुलिस अपने पास हथियार भी नहीं रखती है।

पुर्तगाल

साल 2014 के अनुसार, पुर्तगाल दुनिया का 18वां सबसे सुरक्षित देश है। ऐसे में आप बिना सुरक्षा की चिंता किए बगैर यहां पर घूम सकते हैं। 10,270,865 के करीब आबादी वाला यह देश विभिन्न कारणों से सबसे सुरक्षित देशों में शीर्ष 5वां स्थान अर्जित किया है। बता दें कि आर्थिक विकास के कारण इस देश की बेरोजगारी दर 17 प्रतिशत से 7 प्रतिशत तक कम हो गई है।

आस्ट्रिया

26,177,413 के करीब जनसंख्या वाला देश आस्ट्रिया भी सुरक्षित देशों की गिनती में आता है। यहां पर भी अपराध दर काफी कम है। लेकिन यहां पर घूमने आने वाले टूरिस्टों और यहां पर रहने वाले स्थानीय निवासियों को जेबकतरों और पर्स-स्नैचर्स आदि घटनाओं का सामना करना पड़ता है। इसलिए अगर आप भी यहां पर घूमने आना चाहते हैं तो

आपको जेबकतरों से सावधान रहने की जरूरत होगी।

डेनमार्क

डेनमार्क 5,896,026 आबादी वाला देश है। बता दें कि ग्लोबल पीस इंडेक्स के अनुसार, यह दुनिया का 5वां सबसे सुरक्षित देश है। इस देश में अच्छी शिक्षा, अच्छा रोजगार और कम भ्रष्टाचार होने के साथ ही कुशल सुरक्षाबन मिलेगा। इसके अलावा यहां की हेल्थ सुविधाएं भी काफी बेहतर हैं। इस देश में लोग आरामदायक तरीके से अपनी जीवन व्यतीत करते हैं।

कनाडा

कनाडा की कुल आबादी 37,742,154 के करीब है। आबादी के लिहाज से कनाडा काफी छोटा देश है। यहां का अधिकतर हिस्सा बंजर जंगल है और यह बंजर जंगल हजारों मीलों तक फैला हुआ है। लेकिन घूमने के लिहाज से यह काफी सुरक्षित देश है। इस देश का अपराध दर भी काफी कम है।

सिंगापुर

सिंगापुर 59,43,546 के करीब आबादी वाला है। सिंगापुर में छोटी-मोटी चोरी और अन्य अपराधों के खिलाफ कुछ सख्त कानून हैं। जिसके कारण इसकी गिनती दुनिया के सुरक्षित देशों में होती है। हालांकि सिंगापुर को शहर-राज्य के रूप में परिभाषित किया गया है। इसलिए ऐसा कहा जा सकता है कि यह दुनिया के दूसरे नंबर का सबसे सुरक्षित राज्य है।

जापान

जापान की जनसंख्या 125.93 मिलियन के आसपास है। सुरक्षा के लिहाज से यह सबसे सुरक्षित देश है। चीन और उत्तर कोरिया के करीब होने के बाद भी जापान एशियाई महाद्वीप का एक सुरक्षित और आर्थिक रूप से स्थिर देश है। वैश्विक शांति सूचकांक में जापान हमेशा हाई स्कोर हासिल करता है।

चेक गणराज्य

चेक गणराज्य की आबादी 10,512,397 के करीब है। यहां पर हर वर्ष अपराध दर घटता प्रतीत होता है। यूरोप के अन्य देशों की तुलना में चेक गणराज्य सुरक्षित देशों में से एक है। यहां पर आप सुरक्षा की परवाह किए बिना आराम से घूम-फिर सकते हैं।

स्विट्जरलैंड

स्विट्जरलैंड घूमने के लिए हर साल लाखों टूरिस्ट वहां पहुंचते हैं। बता दें कि यहां की आबादी 8.6 मिलियन के आसपास है। रहने और घूमने के लिहाज से यह देश सबसे ज्यादा बेस्ट है। फूड सिक्योरिटी के मामले में भी स्विट्जरलैंड दुनिया भर में चौथे स्थान पर है।

सिक्किम घूमने का बना रहे हैं प्लान तो...

इन खूबसूरत जगहों को करें एक्सप्लोर, जन्नत में आने का होगा एहसास

देश की टॉप ट्रैवल डेस्टिनेशन्स में नॉर्थ ईस्ट के कई राज्यों का नाम गिना जाता है। नॉर्थ ईस्ट की ट्रिप प्लान करने वाले अधिकतर लोग सिक्किम घूमना नहीं भूलते हैं। वैसे तो सिकिम्म में घूमने के लिए कई खूबसूरत जगहें हैं। ऐसे में अगर आप भी सिक्किम घूमने का प्लान बना रहे हैं तो इन जगहों को एक्सप्लोर करना न भूलें। इन खूबसूरत जगहों पर घूमने के बाद आपका वापस आने का दिल नहीं करेगा। हिमालय की गोद में बसा सिक्किम भले ही एक छोटा सा राज्य है। लेकिन यहां की खूबसूरत वादियों से लेकर नेचर की खूबसूरती आपका मन मोह लेगी। आज इस आर्टिकल के माध्यम से हम आपको सिक्किम की कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। आइए जानते हैं उन जगहों के बारे में...

त्सोमगो झील की सैर

अगर आप सिक्किम में किसी रोमांटिक जगह पर घूमना चाहते हैं तो त्सोमगो लेक आपके लिए बेस्ट ऑप्शन होगा। त्सोमगो लेक सिक्किम की राजधानी गंगटोक से महज 40 किलोमीटर दूर है। यह लेक 12,400 फीट की ऊंचाई पर मौजूद है। इस लेक को चांगु झील के नाम से भी जाना जाता है। बता दें कि सर्दियों में यह लेक पूरी तरह से जम जाती है। वहीं बसंत ऋतु के मौके पर इस लेक की सुंदरता कई खूबसूरत फूलों से खिल उठती है।

जुलुक का दीदार

जुलुक का दीदार करने के लिए सिक्किम की राजधानी गंगटोक से लगभग 3 घंटे का सफर तय करना होता है। इस दौरान रास्ते में 32 हेयरपिन मोड़ आपकी यात्रा को अधिक शानदार बना सकते हैं। वैसे तो जुलुक सिक्किम का एक छोटा सा और काफी खूबसूरत गांव है। लेकिन यहां से 11 फीट की ऊंचाई पर स्थित थुंबी व्यू प्वाइंट कंचनजंघा चोटी अपने खूबसूरत नजारों के लिए फेमस है। जुलुक की ट्रिप के दौरान कपुप लेक या हाथी झील का भी दीदार कर सकते हैं।

पेलिंग की ट्रिप

गंगटोक से लगभग 140 किलोमीटर की दूरी पर स्थित पेलिंग भी घूमने के लिए बेस्ट जगह है। यह जगह रोमांच के लिए फेमस है। पेलिंग का सफर एडवेंचर लवर्स के लिए बेस्ट हो सकता है। यहां पर एडवेंचर के शौकीन लोग रॉक क्लाइंबिग, ट्रेकिंग, कयाकिंग, माउंटेन बाइकिंग, रिवर राफ्टिंग जैसी कई एक्टिविटी कर सकते हैं। इसके अलावा सांगचोएलिंग मठ रिम्बी वॉटरफॉल स्काई वॉक और सेवारो रॉक गार्डन का दीदार कर अपने सफर को शानदार और रोमांचक बना सकते हैं।

रंवगला

रंवगला सिक्किम का खूबसूरत हिल स्टेशन है। यह समुद्र तल से लगभग 8000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। हिमालय पर्वतों से घिरा रंवगला मैनम और तेंडोंग हिल्स टॉप पर मौजूद है। बता दें कि रंवगला गंगटोक से लगभग 63 किलोमीटर की दूर स्थित है। नेचर लवर्स के लिए रंवगला की सैर बेस्ट हो सकती है। यहां से आप ग्रेटर हिमालय के मनमोहक नजारों को बेहद नजदीक से देख सकते हैं।

इन टिप्स को फॉलो कर हॉलिडे को बनाएं शानदार, ऐसे करें पैसों की बचत

कई लोगों को घूमना काफी पसंद होता है। कई बार लगातार ट्रैवल करने के बाद भी छकान नहीं होती है। लेकिन घूमने के लिए पैसों की भी जरूरत होती है। ऐसे में सेविंग्स का होना जरूरी होता है। घूमने के दौरान कई बार ज्यादा पैसा खर्चा हो जाता है। लेकिन अगर आप स्मार्ट तरीके से घूमने की प्लानिंग करें तो आप पैसों की बचत कर सकते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ट्रैवल के कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं। जिनकी मदद से आप ट्रैवल भी कर लेंगे और पैसों की सेविंग भी कर लेंगे।

हॉलिडे की योजना

अगर आप भी छुट्टी पर जाने की सोच रहे हैं। तो सबसे पहले यह डिसाइड करें की आप रिलैक्सिंग हॉलिडे के लिए समुद्र तट पर चाहते हैं या एडवेंचर्स करना चाहते हैं। जब आपको यह पता होता है कि आप घूमने के लिए कहां जाने वाले हैं तो वहां होने वाले खर्चे और यात्रा कार्यक्रम की योजना पहले से बना लें। इस दौरान आपके लिए रियलिस्टिक बजट बनाना आसान हो जाएगा।

रियलिस्टिक बजट

घूमने जाने की शुरूआत हॉलिडे रीयलिस्टिक बजट तय करने से शुरू होती है। आप कहीं भी घूमने जा रहे हों। कोई भी स्मार्ट ट्रैवलर यह बात काफी अच्छे से जानता है कि शानदार छुट्टियां बिताने के लिए एक रियलिस्टिक बजट की जरूरत होती है। जिसे आप आसानी से पहले ही बना सकते हैं।

ट्रैवल और खरीदारी

घूमने जाने के दौरान बुकिंग या खरीदारी पर कैशबैक कमा सकते हैं। इससे आपकी ट्रैवलिंग आसान हो जाती है। कई बार खरीददारी करने पर या बुकिंग करने के दौरान आपको कैशबैक मिलता है। इसलिए हमेशा इस ऑप्शन को ओपेन रखना चाहिए।

ऑफ सीजन में यात्रा

इस सीक्रेट को सभी स्मार्ट ट्रैवलर्स अपनाते हैं। अधिकतर ट्रैवल करने वाले ऑफ सीजन में यात्रा कर बड़ी बचत करते हैं। इस दौरान उनका ज्यादा खर्च नहीं होता है। क्योंकि वह ऑफ-पीक हॉलिडे सीजन में ट्रैवल करते हैं। ऑफ सीजन में ट्रैवल करने से फ्लाइट्स, होटल आदि सस्ते और आसानी से मिल जाते हैं।

फ्लाइट्स चुनते समय फ्लेक्सिबल

पर्यटकों की आवाजाही सप्ताह के कुछ दिनों में कम होती है। इस समय यात्रा करने पर आपको सस्ती उड़ान भरने का मौका मिल सकता है। फ्लाइट की कीमत के आधार पर आप अपनी छुट्टियों को प्लान कर सकते हैं। इससे भी आप अच्छी खासी सेविंग कर लेंगे।

हॉस्पिटैलिटी कंपनी

आपको बता दें कि अपने नियमित ग्राहकों के लिए कई प्रमुख होटल चेंस और एयरलाइंस बहुत कम या बिना किसी एडिशनल कॉस्ट के लॉयल्टी प्रोग्राम्स पेश करती हैं। इस दौरान आपको होटल चेंस और एयरलाइंस के जरिए स्पेशल ट्रीटमेंट मिलता है।

क्रेडिट/डेबिट कार्ड

क्रेडिट या डेबिट कार्ड रिवार्ड पॉइंट अर्जित कर सकते हैं। यह पॉइंट अर्जित करने का एक क्लिक और आसान तरीका है। जिसके बदले कई प्रमुख बैंक गिफ्ट्स और सर्विस के बदले में आपको रिवार्ड पॉइंट प्रदान करते हैं। जिन्हें किसी भी समय रिडीम किया जा सकता है।

सस्ता विकल्प खोजें

अगर आपके पास पर्याप्त समय है तो आप उन विकल्पों को पता करें। जिनमें यात्रा सस्ती होने के साथ ही आने-जाने से लेकर रहने तक हर चीज के लिए काफी सारे विकल्प होते हैं। इस दौरान हॉलिडे प्लान करने के दौरान शानदार अनुभवों के लिए फ्लाइट्स के स्थान पर ट्रेनों की खोज करें।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com